मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 151
रविवार, 15 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हमारे देश में संविधान को नोंचा गया: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी के लिए, सभी देशवासियों के लिए, दुनिया के लोकतंत्र पसंद नागरिकों के लिए ये बहुत गर्व का पल है। लोकतंत्र के पर्व को बड़े गौरव के साथ मनाने का अवसर है। संविधान के 75 वर्ष की यात्रा एक अविस्मरणीय यात्रा है और दुनिया के सबसे महान और विशाल लोकतंत्र की इस यात्रा के मूल में हमारे संविधान निमार्ताओं की दूरदर्शिता का योगदान है, जिसे लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। 75 वर्ष पूरे होने पर ये उत्सव का क्षण है। आजादी से पहले संविधान निमार्ताओं के बीच एकता थी। लेकिन आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता में पड़े लोग देश की विविधिता में विरोधाभास ढूंढते रहे। ये लोग विविधिता को सेलिब्रेट करने के बजाय उसे तोड़ने की कोशिश करते रहे। जब देश संविधान 25 वर्ष पूरे कर रहा था तब हमारे देश में संविधान को नोंच दिया गया। देश में आपातकालीन लाया गया। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया। कांग्रेस के माथे का ये पाप कभी नहीं धुलेगा। आर्टिकल 370 देश की एकता में दीवार बना था। हमारी प्राथमिकता देश की एकता थी, इसलिए धारा 370 को हटाया। इतने बड़े विशाल देश में अगर आर्थिक रूप से आगे बढ़ना है। विश्व को निवेश के लिए आना है। इकोनॉमिक यूनिटी के लिए जीएसटी ने बड़ी भूमिका अदा की है। वन नेशन वन टैक्स बड़ी भूमिका को आगे बढ़ा रहा है। राशन कार्ड गरीबों के लिए मूल्यवान दस्तावेज रहा है। लेकिन अगर एक राज्य से दूसरे राज्य जाता था तो किसी चीज का हकदार नहीं था। एकता के भाव को मजबूत करने के लिए वन नेशन वन राशन कार्ड को हमने आगे किया। देश के नागरिकों को मूफ्त में इलाज मिलने पर गरीबी से लड़ने की ताकत दोगुनी हो जाती है। किसी काम से वो बाहर गया वहां वो जीवन मृत्यु की लड़ाई लड़ता हो ऐसे समय में उसे सहायता नहीं मिलेगी तो वो किस काम की। इसलिए हम वन नेशन वन हेल्थ कार्ड के रूप में आयुष्मान कार्ड लेकर आए। देश में कई बार ऐसा हुआ कि देश के एक हिस्से में बिजली थी, लेकिन सप्लाई नहीं हो रही थी। इसलिए दूसरे इलाके में अंधेरा रहता था। फिर हमने वन नेशन वन ग्रीड को परिपूर्ण किया। आज बिजली के प्रवाह को निर्विरोध हिंदुस्तान के हर कोणे में ले जाया जा सकता है। इंफ्रास्ट्रक्टर में भेदभाव की बू आती रहती है। लेकिन हमने संतुलित विकास को ध्यान में रखते हुए हिमालय की गोट के इलाके, रेगिस्तान के सटे इलाके या नार्थ ईस्ट सभी को बदलने का काम किया है।

दिल्ली वासियों को केजरीवाल पर भरोसा, उन्हें किसी और की जरूरत नहीं : मनीष सिसोदिया

कटरा(जम्मू-कश्मीर), 14 दिसम्बर। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने विश्वास जताया कि दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सत्ता में वापसी होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों को केजरीवाल पर भरोसा है और उन्हें किसी और की जरूरत नहीं है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकूटा की पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर का दर्शन करने के बाद लौटे सिसोदिया ने दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की।

वैष्णो देवी मंदिर पहुंचे दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा, हमने कांग्रेस के साथ बिना किसी गठबंधन के सभी चुनाव लड़े हैं, चाहे वह 2013, 2015 या 2019 का चुनाव हो और हम आगामी (विधानसभा) चुनाव भी अकेले ही लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ही आप नेताओं को चुनाव लड़ाने के लिए प्रेरित करती है। सिसोदिया ने कहा, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के मोर्चे पर केजरीवाल का काम जगजाहिर है और महिला सशक्तीकरण की योजनाएं भी जगजाहिर हैं।

उन्होंने महिलाओं को 1,000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन हमारी सरकार उन्हें 2,100 रुपये दे रही है। दिल्ली के लोगों को केजरीवाल पर भरोसा है और उन्हें किसी और की जरूरत नहीं है। आप नेता ने कहा कि हर व्यक्ति ऐसी सरकार चाहता है जो उनके बच्चों की शिक्षा का ध्यान रखे, अच्छे अस्पताल, नौकरियां और सुरक्षा सुनिश्चित करे। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों का जिम्मा सौंपा था और उन्होंने यह काम पूरा किया।

न्होंने कहा, लेकिन भाजपा लोगों को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही है क्योंकि कानून व्यवस्था की स्थिति ऐसी है जो मैंने अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखी। सिसोदिया ने कहा कि लोगों ने मुंबई में गैंगवार के बारे में सुना था लेकिन अब दिल्ली में भी वही स्थिति है। उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा बृहस्पतिवार को एक देश, एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दिये जाने को भाजपा का चुनावी हथकंडा करार दिया। आप नेता ने कहा, बेहतर होगा कि पहले देश में एक चुनाव, एक शिक्षा का फॉमूर्ला लागू किया जाए, ताकि हर बच्चे को गुणवत्ता युक्त शिक्षा की गारंटी मिले और सभी दल इसकी सफलता के लिए काम करें।

किसानों ने दिन भर के लिए स्थगित किया दिल्ली मार्च, अब 16 दिसंबर को देशभर में करेंगे ट्रैक्टर मार्च

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। पंजाब के साथ राज्य की सीमा पर हरियाणा सुरक्षा कर्मियों द्वारा आंसू गैस की गोलाबारी में कुछ के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने शनिवार को दिल्ली तक अपना पैदल मार्च दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्था वापस लेने का फैसला किया है। सुनने में आ रहा है कि 17-18 लोग घायल हुए हैं। हम कुछ देर बाद पीसी करेंगे और आगे की कार्रवाई की जानकारी देंगे।

सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 16 दिसंबर को पंजाब के बाहर ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा और 18 दिसंबर को हमने पंजाब में 'रेल रोको' का आह्वान किया है। हम सभी पंजाबियों से बड़ी संख्या में ₹रेल रोको₹ में भाग लेने की अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सिर्फ बयान देकर अपनी भूमिका से नहीं भागना चाहिए। उन्हें किसानों की मांगों को पूरा करने के एजेंडे पर प्रकाश डालना चाहिए। उन्हें रुकना चाहिए जैसे वे अन्य मुद्दों पर संसद को ठप कर रहे हैं, वैसे ही राहुल गांधी हमारे मुद्दे को संसद में नहीं उठा रहे हैं, जैसा उन्होंने हमें आश्वासन दिया था। किसान नेता मंजीत सिंह राय ने आरोप लगाया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा रबर की गोलियों का भी इस्तेमाल किया गया और एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। राय ने कहा कि दोनों मंचों ने आज जत्थे को वापस बुलाने का फैसला किया है और बैठक के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले आज, हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों ने शंभू सीमा से दिल्ली की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे 101 किसानों के एक समूह को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की।

वन नेशन-वन इलेक्शन का ड्राफ्ट देखे बिना विरोध पर उतरी सपा-कांग्रेस

लखनऊ, 14 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश में अब एक देश एक चुनाव पर राजनीति शुरू हो गई है। बसपा जहां इसका समर्थन कर रही है वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को एक देश-एक चुनाव की तरफ बढ़ती मोदी सरकार रास नहीं आ रही है। अखिलेश ने तो वन नेशन-वन इलेक्शन के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात भी कहना शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से कहा कि एक देश-एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक है, क्योंकि कभी-कभी सरकारें अपनी समय अवधि के बीच में भी अस्थिर हो जाती हैं। उस स्थिति में क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी? इसके लिए संवैधानिक रूप से चुनी गई सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा। मगर सवाल यह है कि क्या अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लिये तैयार किया गया ड्राफ्ट पढ़ लिया है या फिर बिना पड़े ही ऐसी बातें अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हैं। ऐसा इसलिये भी लगता है क्योंकि अखिलेश यादव जो खामियां और समस्याएं गिना रहे हैं उस पर मोदी सरकार ने मंथन नहीं किया होगा,ऐस असंभव है।

सपा प्रमुख तो यहां तक सोचने लगे हैं कि एक देश, एक चुनाव लोकतंत्र के खिलाफ एकतंत्री सोच का बड़ा षड्यंत्र है, जो चाहता है कि एक साथ ही पूरे देश पर कब्जा कर लिया जाए। इससे चुनाव एक दिखावटी प्रक्रिया बनकर रह जाएगी। सपा सूत्रों के मुताबिक इस मामले में अखिलेश यादव ने पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी लोगों के बीच जाएगी ताकि भाजपा सरकार पर दबाव बना सके। उधर, यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक देश-एक चुनाव के जरिये भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र व यूपी सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा का झूठ उजागर हो चुका है। जनता अब इनके झांसे में नहीं आ रही है। ऐसे में एक नया शिगूफा लाया गया है। बता दें कांग्रेस और सपा से इतर बसपा सुप्रीमों मायावती एक देश-एक चुनाव का समर्थन कर चुकी हैं। बीते सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद उन्होंने कहा था कि इस पर उनकी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है। लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर बसपा अपने पुराने स्टैंड पर ही कायम रहेगी। बात बुद्धिजीवियों की कि जाये तो लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि पूर्व में कांग्रेस के समय में भी एक देश-एक चुनाव की व्यवस्था को लागू करने के प्रयास किए गए थे। आज भले ही विपक्ष इसे संविधानी ढांचे के विरुद्ध बताए, लेकिन ऐसा है नहीं। विपक्ष यह कह रहा है कि अगर कोई सरकार दो साल बाद गिर जाती है, तो क्या होगा।

केंद्र इसके लिए नियमों में संशोधन भी करेगी। इसके लागू होने से विकास कार्य को गति मिलेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के ही प्रो. सौरभ मालवीय का भी कहना है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने से देश का खर्च और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही राजनीतिक पार्टियों को भी कार्य में सुविधा होगी। वर्तमान समय वैज्ञानिक युग का है, ऐसे में कम संसाधन के उपयोग से अधिक लाभ लेना ही प्रगति का सूचक है। अतः एक देश-एक चुनाव जनहित और देशहित में होगा।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल लोकसभा में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक पेश करेंगे

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल 16 दिसंबर सोमवार को लोकसभा में 'संविधान विधेयक, 2024' पेश करेंगे। इस संबंध में कहा गया है कि ₹संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024: अर्जुन राम मेघवाल भारत के संविधान में और संशोधन करने के लिए एक विधेयक पेश करने की अनुमति के लिए प्रस्ताव करेंगे। विधेयक को पेश करने के लिए भी।₹

पहला संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है। दूसरा विधेयक दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है। इस बीच, अर्जुन राम मेघवाल संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 भी पेश करेंगे ताकि संघ राज्य क्षेत्र अधिनियम, 1963, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में और संशोधन करने के लिए विधेयक पेश किया जा सके।

कई विपक्षी नेताओं ने एक राष्ट्र एक चुनाव प्रस्ताव पर सवाल उठाया है और कहा है कि यह अव्यावहारिक है और संघवाद पर हमला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और आरएस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' में कहा गया है कि यदि कोई राज्य सरकार छह महीने में गिर जाती है या अपना बहुमत खो देती है, तो क्या राज्य को शेष 4.5 वर्षों तक बिना सरकार के रहना होगा। ₹किसी भी राज्य में चुनाव 6 महीने से अधिक के लिए स्थगित नहीं किए जा सकते हैं। यदि एक राष्ट्र एक चुनाव पेश किया जा रहा है और किसी राज्य में सरकार 6 महीने में गिर जाती है, अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो क्या हम 4.5 साल तक बिना सरकार के रहेंगे? इस देश में यह संभव नहीं है... पहले सरकारें 5 साल का अपना पूरा कार्यकाल पूरा करती थीं, लेकिन आज कुछ सरकारें 2.5 साल में गिर जाती हैं और कहीं 3 साल में गिर जाती हैं।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने प्रस्तावित 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मांग की और कहा कि यह विधेयक लोकतंत्र को कमजोर करता है। रमेश ने एएनआई से कहा, ₹विधेयक संसद में पेश किया जाएगा और हम चाहते हैं कि इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाए, जो इस पर चर्चा करेगी। पिछले साल पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट की थी, जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की एक राष्ट्र, एक चुनाव समिति को चार पन्नों का पत्र भेजा था, जिसमें कहा गया था कि हम विधेयक का विरोध करते हैं।₹ 12 दिसंबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक को मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद इसे संसद में पेश करने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, संसद में पेश किए जाने से पहले ही इस विधेयक पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस शुरू हो गई थी।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई दलों ने इस विधेयक का विरोध किया, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के दलों ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि इससे समय की बचत होगी और देश भर में एकीकृत चुनावों का आधार तैयार होगा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सितम्बर में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

डिजिटल अरेस्ट से ठगी-कहां छुपी है नाकामी

-अजय कुमार

21 वीं सदी के भारत में डिजिटल विकास काफी तेजी के साथ हो रहा है। इसको लेकर राजीव गांधी से लेकर मोदी सरकार तक अपनी पीठ थपथपाती रहती हैं। समय के साथ डिजिटल भारत की तस्वीर भी बदल रही है। लोगों की सोच और लाइफ स्टाइल दोनों चेंज हो गये हैं। आज के युग में मोबाइल या लैपटॉप पर मात्र उंगलियों को घुमाकर सब कुछ हासिल किया जा सकता है। तमाम तरह की सुविधाएं जुटाई जा सकती हैं। सबसे खास बात यह है कि डिजिटल दुनिया का फायदा समाज के पढ़े-लिखे तबके के साथ-साथ कम पढ़े लिखे और यहां तक की अशिक्षित लोग भी बखूबी उठा रहे हैं,लेकिन डिजिटल विकास अपने साथ तमाम खूबियां लेकर आया है तो कुछ खामियां भी इसके साथ आ गई हैं। डिजिटल विकास की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफार्म भी मजबूत हुआ है,जो पूरी तरक से स्वतंत्र है,बिना किसी प्रतिबंध के चलता है। इससे भी खास यह है कि इसकी कोई सीमा नहीं है। सात समुंदर पार बैठा शख्स भी चाहे-अनचाहे किसी से नजदीकियां बढ़ा सकता है,लेकिन इस शख्स की सोच के बारे में कोई डिवाइस नहीं बता सकती है कि वह किस श्रेणी का इंसान है। यहीं से साइबर क्राइम की शुरूआत होती है,जिसको कई श्रेणी में बांटा जा सकता है।साइबर अपराध या साइबर सुरक्षा खतरा काफी दुर्भावनापूर्ण है,जो डेटा को नुकसान पहुँचाने, डेटा चुराने या सामान्य रूप से डिजिटल जीवन को बाधित करने का प्रयास करता है। साइबर खतरों में कंप्यूटर वायरस, डेटा उल्लंघन,सेवा से इनकार और अन्य हमले के तरीके शामिल हैं। साइबर के इसी खतरे का सबसे नया प्रारूप है कथित तौर किसी को डिजिटल अरेस्ट करके उससे ठगी करना।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तो पिछले तीन दिनों में ही साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट की दो बड़ी वारदातें कर डालीं। पहली घटना 17 नंवबर की है जब पीजीआई क्षेत्र में रहने वाली रिटायर्ड शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट करके से साइबर अपराधियों ने 18 लाख की ठगी कर ली। सबसे खास बात यह थी कि दोनों ही मामलों में साइबर अपराधियों ने अपने डिजिटल अरेस्ट के शिकार होने वालों को हफ्ते भर तक अरेस्ट रखा और किसी को पता नहीं चला। पुलिस इस वारदात को सुलझाने में उलझी थी तभी 19 नवंबर को पंचायती राज से रिटायर बुजुर्ग से क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर साइबर अपराधियों ने 19.50 लाख की लूट कर ली। इससे पहले की घटनाओं पर नजर डाली जाये तो साइबर अपराधियों ने पीजीआई के पुराना कैंपस में रहने वाले डॉक्टर की बुजुर्ग मां को डिजिटल अरेस्ट कर मुंबई क्राइम ब्रांच व सीबीआई अधिकारी बन 18 लाख रुपये ठग लिए। एक अन्य घटना में एसजीपीआई की डॉ. रूचिका टंडन को डिजिटल अरेस्ट कर जालसाजों ने वसूले थे 2.81करोड़ तो हजरतगंज के अशोक मार्ग पर रहने वाले डॉक्टर पंकज रस्तोगी की पत्नी दीपा से 2.71 करोड़ रुपए वसूल लिये। जबकि इससे पूर्व अलीगंज सेक्टर एच निवासी डॉक्टर अशोक सोलंकी को 36 घंटे डिजिटल अरेस्ट कर ठगों ने उनसे 48 हजार रुपए वसूल लिये थे। उधर, गोमतीनगर में वरिष्ठ कवि नरेश सक्सेना को भी ठगों ने डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। उनकी बहू की सतर्कता के चलते वह बाल-बाल बच गए थे। हजरतगंज निवासी मरीन इंजीनियर एके सिंह को होटल में 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखकर उनसे 84 लाख रुपये वसूल गए थे। साइबर अपराधियों ने तालकटोरा के रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर अविनाश श्रीवास्तव को एक घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट कर 98 हजार वसूले थे। बहरहाल, यह समझने की कोशिश की जाये कि साइबर अपराध कैसे अंजाम दिये जाते हैं, इसके लिये कौन से सॉफ्टवेयर इस्तेमाल किये जाते हैं तो इसमें कई सॉफ्टवेयर का नाम उभर कर आते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि डार्क वेब नाम की एक साइड साइबर अपराधियों के लिये सुनहरा मौका देने का काम करती है,जहां भारतीयों की गुप्त जानकारियां आसानी से साइबर अपराधियों को उपलब्ध हो जाती हैं।

साइबर अपराधी किसी को डिजिटल अरेस्ट के झांसे में लेते हैं तो अपने को असली दिखाने के लिये लिये पुलिस थानों और सरकारी कार्यालयों जैसे स्टूडियो का इस्तेमाल करते हैं और असली दिखने के लिए वर्दी पहनते हैं। ऐसे अपराधियों के हाथों देशभर में कई पीड़ितों ने बड़ी रकम गंवाई है। गृह मंत्रालय ने कहा था कि यह एक संगठित ऑनलाइन आर्थिक अपराध है और इसे सीमा पार अपराध सिंडिकेट की ओर से संचालित करने की जानकारी सरकार के पास है। हालांकि, कुछ अधिकारियों का कहना है कि ह्यडिजिटल गिरफ्तारीह्ल जैसी कोई चीज नहीं है, फिर भी शिक्षित व्यक्ति भी इन धोखाधड़ी करने वालों के झांसे में आ रहे हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र जो साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है, ने यह भी एक एडवाइजरी जारी की है जिसमें कहा गया है कि सीबीआई पुलिस या ईडी किसी को भी वीडियो कॉल पर गिरफ्तार नहीं करते हैं। साइबर सुरक्षा एक्पर्ट जतिन जैन जैन ने बताया कि ये अपराधी अब इंसानी मन का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। पहले, उनका तरीका पीड़ितों को यह बताना होता था कि उनके पार्सल में ड्रग्स मिले हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और कानूनी परिणामों के डर से पीड़ित पैसे दे देते हैं। अपराधी लोगों से जुमार्ना देने या वकील करने के लिए भी कहते हैं। एक बार जब आप भुगतान कर देते हैं, तो वे जान जाते हैं कि पीड़ित अब कहानी पर विश्वास करते हैं। फिर पीड़ितों को कैमरे के सामने बैठने के लिए कहा जाता है जब तक कि वे पूरी राशि जमा नहीं कर देते।

एक नजर साइबर अपराध के आंकड़ों पर

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में साइबर अपराधों में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 2017 में 3,466 मामले, 2018 में 3,353, 2019 में 6,229, 2020 में 10,395, 2021 में 14,007 और 2022 में 17,470 मामले दर्ज किए गए। फरवरी में, तत्कालीन गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने लोकसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि 2023 में वित्तीय साइबर धोखाधड़ी की 1,12,82,65 शिकायतें मिली थीं। गृह मंत्रालय की साइबर विंग के मुताबिक, डिजिटल अरेस्ट के जरिये साइबर ठग हर दिन मासूमों से छह करोड़ रुपये लूट रहे हैं। इस साल अक्टूबर तक डिजिटल अरेस्ट के कुल 92,334 मामले सामने आए हैं, जिनमें 2140 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी हुई है। अगर औसत निकाला जाए तो हर माह 214 करोड़ रुपये की साइबर ठगी हुई है। यह एक बेहद छोटा सा आंकड़ा है, जबकि असली नंबर इससे कहीं बहुत ज्यादा है। बहुत सारे लोग तो डर और बदनामी की वजह से सामने ही नहीं आते हैं। साइबर अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं के बीच उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों का भंडाफोड़ कर 7 ठगों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार चीन और पाकिस्तान से जुड़े बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन्होंने चीन और पाकिस्तान के नेवर्क से कंबोडिया में डिजिटल अरेस्ट की ट्रेनिंग लेकर पूरे देश में करोड़ों की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया थालखनऊ एसटीएफ ने इन ठगों को वीपीए से ट्रैक किया था। गिरोह का मास्टरमाइंड पंकज सुरेला बताया जा रहा है जो मार्च 2024 में कंबोडिया गया था और यहां पाकिस्तानी साथी के साथ मिलकर चीनी साइबर एक्सपर्ट्स से डिजिटल अरेस्ट का खेल सीखा। मई में पंकज सुरेला भारत लौटा और फिर गिरोह बनाकर डिजिटल अरेस्ट का खेल खेलने लगा।

10 सालों में देश में सड़क दुघर्टना में 15 लाख से ज्यादा लोगों की मौत!

अशोक भाटिया

देश में हर साल लाखों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसके कारण सैकड़ों-हजारों लोगों की मौत भी होती है। लोकसभा में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को हैरान कर देने वाला खुलासा करते हुए बताया कि पूरे देश में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों के मामले में दिल्ली एक बार फिर हमेशा की तरह पहले स्थान पर है। इस साल 2024 में सिर्फ दिल्ली के अंदर सड़क दुर्घटनाओं में 1,457 लोगों की जानें गई हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर बेंगलुरु है, जहां 900 लोगों की जानें गई है। जयपुर में 849 और कानपुर में 638 लोगों की मौत सड़क दुर्घटना के कारण हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 36.5 प्रतिशत लोगों की जानें गई है।

देश में सड़क दुर्घटना के हैरान कर देने वाले आंकड़े बताते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी तो दूर की बात है, बल्कि मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि सड़क दुर्घटना के मामले में भारत का दुनिया में सबसे गंदा रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि जब वह सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेते हैं, तो उन्हें अपना मुंह छिपाना पड़ता है। साथ ही उन्होंने कहा कि देश में हर साल 1.78 लाख लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में चली जाती है, जिनमें से जान गंवाने वाले 60 प्रतिशत लोगों की आयु 18 से 34 साल के बीच में होती है।

इसके पूर्व नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में इस बात की जानकारी दी थी कि देश में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवां देते हैं। गडकरी ने कहा कि सलाहकारों द्वारा तैयार की गई एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में हर साल 1.50 लाख से ज्यादा लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवां देते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दावा किया था कि देश में हर साल पांच लाख से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1.50 लाख से अधिक लोगों की जान चली जाती है। यह मौतों का आंकड़ा केवल सलाहकारों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में लोगों द्वारा की गई गलतियों के कारण है।₹ उन्होंने दावा किया कि ज्यादातर डीपीआर बहुत रूढ़िवादी हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़कों पर ब्लाइंड स्पॉट (सड़क पर जानलेवा जगह) में सुधार पर जोर देते हुए डीपीआर तैयार करने में गुणात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। गडकरी ने कहा, ₹मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों है (डीपीआर दोषपूर्ण है) और इसके पीछे क्या कारण हैं।इसके अलावा भारत में सड़क हादसों को लेकर जो और रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 सालों में देश में सड़क दुर्घटना में 15 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। यह आंकड़ा केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की आबादी से भी ज्यादा है। केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए कई बार प्रतिबद्धता दोहराई है और ऐसी मौतों को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने भी हस्तक्षेप किया है। हालांकि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में हर 10,000 किलोमीटर पर 250 लोगों की जिंदगी छीन गई। अमेरिका, चीन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की बात करे तो ये आंकड़े 57, 119 और 11 हैं। इससे यह स्पष्ट है कि ये आंकड़े बेहद खतरनाक हैं। वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत में दुनिया के केवल एक फीसदी वाहन हैं, इसके बावजूद पूरे विश्व में होने वाले हादसों का 11 फीसदी देश में ही घटित होते हैं। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट में हादसे कम करने के लिए सड़क सुरक्षा संबंधी उपाय बढ़ाने के लिए भी कहा गया है।

सड़क हादसे सिर्फ भारत ही नहीं विश्व के लिए भी चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। इसीलिए वर्ष 2020 में कई देशों ने साथ मिलकर सड़क हादसों में मृत्यु दर को 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। हाल ही में फिर से स्टॉकहोम में आयोजित विजन जीरो पर ग्लोबल मीट और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के नेटवर्क की ग्लोबल मीटिंग हुई, जिसमें साल 2020 के निर्धारित लक्ष्य का जमीनी स्तर पर आंकलन किया गया।

दुनिया भर में हर साल 13.5 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मरते हैं। यह एक बहुत बड़ी संख्या है। दुनियाभर में हर दिन लगभग 3,000 लोग सड़कों पर दम तोड़ते हैं। इन आंकड़ों को देखते हुए वैश्विक नेताओं और प्रतिनिधियों ने इस मीटिंग में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को भी ग्लोबल वार्मिंग या महामारी के समान माना जाना चाहिए। सभी देशों की लगातार कोशिशों के बावजूद दुर्घटनाओं की संख्या में उतनी कमी नहीं आई है, जितनी की उम्मीद की जा रही थी।

साल 2010 में, इस संकट ने विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जब संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा की कि 2020 तक मौतों की संख्या में 50 प्रतिशत की कमी लाने के लिए दुनिया भर में प्रयास किए जाने चाहिए। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।साल 2020 में, विश्व के नेताओं और प्रतिनिधियों ने एक और लक्ष्य निर्धारित किया और 2030 तक सड़क हादसे में मौतों की संख्या को 50 प्रतिशत तक कम करने का निश्चय किया। इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले देशों में भारत भी शामिल था। चीजें बड़े पैमाने पर शुरू हुईं, लेकिन मौतों की संख्या अभी भी कम नहीं हो पायी है। इसका कारण खराब बुनियादी ढांचा या खराब वाहन हो सकते हैं, लेकिन ज्यादातर बार इसका कारण खराब मानवीय व्यवहार माना गया है। भारत, श्रीलंका, मैक्सिको और बांग्लादेश जैसे देशों को वैश्विक संख्या को कम करने में बड़ी भूमिका निभानी होगी क्योंकि इन देशों में सड़क पर होने वाली मौतों की संख्या अधिक है। वहीं, स्वीडन का लक्ष्य सड़क पर होने वाली मौतों की संख्या को शून्य पर लाना है। पिछले साल करीब 250 मौतें ही स्वीडन में हुईं, लेकिन देश इस आकड़ें से भी दुखी है और वह आने वाले सालों में इन आंकड़ों को भी वो खत्म करना चाहता है। यही कारण है कि विजन जीरो का सपना स्वीडन ने देखा। इस विजन से देश ने दूसरे देशों के लिए मिसाल कायम की है।

अन्य देशों ने भारत के लिए अच्छे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं। वे सड़क दुर्घटनाओं को बहुत गंभीरता से लेते हैं। जब कोई सड़क दुर्घटना होती है, तो वे उचित जांच करते हैं। भारत में मोटर वाहन अधिनियम है जो कहता है कि हर दुर्घटना की उचित जांच होनी चाहिए। इसके बावजूद जब कोई दुर्घटना होती है तो पुलिस एफआईआर दर्ज करती है जो ज्यादातर ड्राइवर के खिलाफ होती है। हमने दुर्घटना में मरने वालों को निर्दोष माना। हम अपनी सड़क पर होने वाली मौतों का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं करते हैं।

दूसरे, दुर्घटना के कारणों के संबंध में सही आंकड़ों के आधार पर नीतियां बनाई जा सकेंगी। उदाहरण के तौर पर, महाराष्ट्र के कुर्ला में हाल ही में हुई दुर्घटना को एजेंसियों को विस्तृत विश्लेषण करने के लिए प्रेरित करना चाहिए था। क्या ड्राइवर के पास उचित लाइसेंस था? क्या वह गाड़ी चलाते समय थक गया था? क्या वाहन अच्छी स्थिति में था? यदि ड्राईवर ने शराब पी रखी तो उसे रोका क्यों नहीं गया ?क्या सड़क का बुनियादी ढांचा मौजूद था? इन सबकी ठीक से जांच होनी चाहिए। साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस सिस्टम भी मजबूत होना चाहिए। व्यवसायिक चालकों के लिए नियम लागू नहीं किये जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे में भी सुधार की जरूरत है।

भारत के आज तक के युद्धों में जितने सैनिक शहीद नहीं हुए, उससे ज्यादा लोग सड़कों पर दुर्घटना में एक साल में मारे जाते हैं, इसलिए चिंतित सुप्रीम कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि देश में इतने लोग सीमा पर या आतंकी हमले में नहीं मरते जितने सडकों पर गड्ढों की वजह से मर जाते हैं। पिछले एक दशक में ही भारत में लगभग 14 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए हैं। इन मौतों का दुष्प्रभाव तो मृतकों के परिवार पर पड़ना स्वाभाविक ही है साथ ही देश की प्रगति भी इन हादसों से प्रभावित होती है। सड़क दुर्घटनाओं के लिए सरकार और खराब सड़कों को दोष देना तो आसान है, मगर लोग इस मामले में अपनी जिम्मेदारी से साफ बच निकलते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शहरीकरण की तीव्र दर, सुरक्षा के पर्याप्त उपायों का अभाव, नियमों को लागू करने में विलंब, नशीली दवाओं एवं शराब का सेवन कर वाहन चलाना, तेज गति से वाहन चलाते समय हेल्मेट और सीट-बेल्ट न पहनना आदि हैं।वाहन चलाना आए या न आए, लोग आरटीओ दफ्तरों में रिश्वत देकर लाइसेंस बनवा लेते हैं। इसी तरह नाबालिग बच्चों को चलाने के लिए वाहन थमा दिए जाते हैं, जिससे अन्य लोग भी बिना गलती किए दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं।

मुस्लिम और जातिवादी राजनीति में उलझे अखिलेश को फायदा कम नुकसान ज्यादा

-संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के पास अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने के लिये काफी कम विकल्प बचे हैं।इन्हीं विकल्पों में से जो दो सबसे खास हैं। उसी के तहत सपा प्रमुख अखिलेश यादव मुस्लिम और जातिवाद की राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं। लगता है कि यूपी के उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद भी अखिलेश ने कोई सबक नहीं लिया है,यदि सबक लिया होता तो संसद के शीतकालीन सत्र में वह जातिगत जनगणना की मांग पर जोर नहीं देते। हिन्दुओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को अनदेखा करके मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत के लिये संभल-संभल नहीं चिल्लाते। समाजवादी पार्टी ने कुछ माह पूर्व हुए आम लोकसभा चुनाव में पिछड़े-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) के सहारे जो ह्यकरिश्माह्ल किया था, वह यूपी के उप चुनाव में पूरी तरह से धाराशायी हो गया। नौ की नौ सीटों पर जीत का दावा कर रहे अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी उप चुनाव में दो सीटों पर सिमट गई। इसमें से भी एक सीट उनके परिवार के सदस्य की थी, जबकि 2022 के विधानसभा चुनाव में वह नौ में से पांच सीटें जीतने में सफल रही थी। अखिलेश के लिये सबसे अधिक चिंताजनक हार मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी विधानसभा की रही। यहां की हार के बाद अब सवाल यह भी उठने लगा है कि क्या मुसलमानों का अखिलेश के प्रति मोह कम हो रहा है। ऐसा इस लिये भी कहा जा रहा है क्योंकि कुंदरकी में मुसलमानों ने सपा के मुस्लिम प्रत्याशी को अनदेखा करके बिना हिचक बीजेपी के हिन्दू प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया था। कुंदरकी में भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। रामवीर सिंह ने सपा के उम्मीदवार मोहम्मद रिजवान को हराकर कुंदरकी सीट पर विजय प्राप्त की। रामवीर सिंह को 168526 वोट जबकि रिजवान को 25334 वोट मिले। रामवीर ने सपा के उम्मीदवार को 143192 यानी करीब डेढ़ लाख वोटों से हराया।उपचुनाव के नतीजों से ये भी साफ हो गया कि अखिलेश का गठबंधन को तरजीह ना देना भारी पड़ गया। अखिलेश ने इंडिया गठबंधन के लड़ने की बात तो कही। मगर इंडिया गठबंधन के प्रमुख दल कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में वो सीटें नहीं दी जो कांग्रेस चाहती थी। जिसकी वजह से कांग्रेस के नेताओं ने भी इस चुनाव से दूरी बनाये रखी। इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के बाद भी अखिलेश ने सात सीटों पर एकतरफा तौर पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया। जबकि कांग्रेस प्रयागराज की फूलपुर सीट पर उपचुनाव लड़ना चाहती थी। जानकार मानते हैं कि अगर कांग्रेस को सीट मिलती और वो भी एसपी के साथ पूरी ताकत से चुनावी मैदान में रहती तो नतीजे कुछ अलग हो सकते थे।ऐसा इसलिये भी कहा जा सकता है क्योंकि मुस्लिम वोटरों में राहुल गांधी और कांग्रेस की स्वीकार्यता काफी तेजी से बढ़ रही है।

चुनाव नतीजों से इत्तर उप चुनाव के परिदृश्य की बात करें तो पूरे प्रचार के दौरान इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने अपने गठबंधन के सहयोगी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के प्रचार से दूरी बनाये रखी। मतदान वाले दिन किसी भी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस का बस्ता लगा नहीं दिखा। कांग्रेस के नेता भी नदारद थे। मतगणना वाले दिन तक भी लखनऊ के माल एवेन्यू रोड स्थित कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में सन्नाटा पसरा हुआ था। कांग्रेस जैसी ही स्थिति बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशियों की भी नजर आई। काफी हद तक बसपा का दलित वोटर चन्द्रशेखर की आजाद समाज पार्टी के पक्ष में मतदान करता दिखा,जिसकी वजह से चन्द्रशेखर की पार्टी का प्रदर्शन बसपा के मुकाबले काफी बेहतर रहा। उधर,नतीजों से नाराज बसपा सुप्रीमो मायावती ने भविष्य में उप-चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर दी है।

समाजवादी पार्टी को इतनी बड़ी हार क्यों मिली ? यह कैसे हुआ ? इसके बारे में जानने-समझने के लिये अतीत के पन्नों को पलटना होगा। अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में दूर की सोच दिखाते हुए मुस्लिम नेताओं को टिकट देने में कंजूसी दिखाई थी,इसके पीछे अखिलेश की यही सोच थी कि उनके द्वारा मुस्लिम प्रत्याशी को मैदान में उतारने पर बीजेपी के पक्ष में हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण हो जाता है,जबकि सपा किसी हिन्दू नेता को टिकट देती है तो हिन्दू वोटर तो बंट जाते हैं लेकिन अल्पसंख्यक वोटर पूर्व की भांति सपा के पक्ष में ही लामबंद रहते जिसका सीधा फायदा समाजवादी पार्टी को होता है। इसी को ध्यान में रखकर ही अखिलेश ने पीडीए की सियासत शुरू की थी,लेकिन कहा जाता है कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है, ऐसा ही अखिलेश के साथ हुआ। दरअसल, अखिलेश यादव मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत में इतनी बुरी तरह से उलझ गये हैं कि वह इससे बाहर ही नहीं निकल पा रहे हैं। अखिलेश का हाल यह है कि वह बात तो पीडीए की करते हैं,लेकिन जब अपराधी किस्म का कोई मुसलमान किसी पिछड़ा(पी) या दलित(डी) समाज के किसी व्यक्ति की इज्जत उछालता है। उसके साथ अपराधिक कृत्य करता है तो अखिलेश इसे पूरे मुस्लिम समाज से जोड़कर चुप्पी साध लेते हैं।यह बात पिछड़ा और दलित समाज को अखिलेश से दूर ले ही जाती है ।

राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नोटिस

-प्रियंका 'सौरभ'

संसद में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका तटस्थता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि संसदीय कार्यवाही निष्पक्ष और निष्पक्ष तरीके से संचालित हो। हाल ही में, विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव उठाया, जिसमें उन पर पक्षपात करने का आरोप लगाया गया। यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता के लिए प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं में निष्पक्षता बनाए रखने के महत्त्व को उजागर करती है। संसदीय कार्यवाही की तटस्थता बनाए रखने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका बहस में निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। पीठासीन अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि सभी सांसदों को, चाहे वे किसी भी पार्टी से सम्बद्ध हों, बहस में भाग लेने के समान अवसर दिए जाएँ। निर्णयों में निष्पक्षताः अध्यक्ष द्वारा किए गए निर्णय पक्षपातपूर्ण झुकाव के बजाय संसदीय प्रक्रियाओं पर आधारित होने चाहिए। अध्यक्ष को सरकार और विपक्ष के बीच संघर्षों में मध्यस्थता करनी चाहिए, शिष्टाचार बनाए रखते हुए रचनात्मक संवाद के लिए जगह बनानी चाहिए। एक तटस्थ पीठासीन अधिकारी संसद की अखंडता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है, लोकतांत्रिक बहस के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देता है। यदि अध्यक्ष को तटस्थ माना जाता है, तो संसदीय प्रणाली में विश्वास मजबूत होता है, जिससे स्वस्थ लोकतांत्रिक चर्चाओं को बढ़ावा मिलता है, जैसा कि यू.के. जैसे परिपक्व लोकतंत्रों में देखा जाता है। संसदीय संस्था की वैधता की रक्षा के लिए पीठासीन अधिकारी को हमेशा निष्पक्षता का प्रदर्शन करना चाहिए। यदि अध्यक्ष को पक्षपाती माना जाता है, तो इससे संसदीय कार्यवाही में विश्वास कम हो सकता है और विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम हो सकता है। अध्यक्ष के कार्यों में पक्षपात की धारणा के परिणामस्वरूप जनता में यह धारणा बन सकती है कि संसद को एक पार्टी के हितों की सेवा के लिए हेरफेर किया जा रहा है। पक्षपातपूर्ण अध्यक्ष संसद के भीतर राजनीतिक विभाजन को बढ़ा सकता है, जिससे सरकार और विपक्ष के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। ऐसे परिदृश्य में, सरकार और विपक्ष अध्यक्ष के निर्णयों को चुनौती देने के लिए चरम रणनीति का सहारा ले सकते हैं, जिससे संसद में अधिक शत्रुतापूर्ण और कम उत्पादक वातावरण बन सकता है। अध्यक्ष में कथित पक्षपात संसद की संस्था को ही कमजोर करता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। यदि अध्यक्ष पक्षपातपूर्ण है, तो संसद के भीतर जवाबदेही के तंत्र विफल हो सकते हैं, जिससे अनियंत्रित कार्यकारी शक्ति की अनुमति मिलती है। यदि अध्यक्ष को किसी एक राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करते हुए देखा जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक संस्थाओं के प्रति जनता का मोहभंग हो सकता है। पीठासीन अधिकारी की भूमिका के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित करने से निर्णय लेने में निरंतरता और निष्पक्षता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यू.के. संसद में, अध्यक्ष एक औपचारिक आचार संहिता का पालन करता है जो तटस्थता सुनिश्चित करता है, पक्षपात पर चिंताओं को दूर करने और संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद करता है।

राज्यसभा में सभापति के खिलाफ विपक्ष खेमे ने अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। भारतीय संसद के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जहां राज्यसभा में किसी सभापति के खिलाफ अविश्वास का नोटिस आया हो। दरअसल, यह मौका इसलिए सामने आया, क्योंकि सभापति के सदन में रुख से सभी विपक्षी दल नाखुश थे। विपक्ष का आरोप है कि सभापति हमेशा सत्तारूढ़ खेमे का पक्ष लेते हैं और विपक्ष की आवाज दबाते हैं। विपक्ष आसन को निष्पक्ष देखना चाहता है, लेकिन पिछली लोकसभा के बाद जब 18वीं लोकसभा में भी राज्यसभा में चीजें नहीं बदलीं तो पिछले सत्र में प्रस्ताव लाने की चर्चा चलाकर विपक्ष ने कोई कड़ा कदम उठाने का संदेश देने की कोशिश की।

पीठासीन अधिकारियों के लिए लंबे कार्यकाल सुनिश्चित करने से उन्हें अपनी नेतृत्व भूमिकाओं में विश्वास, स्थिरता और तटस्थता बनाने की अनुमति मिल सकती है। जर्मन बुंडेस्टैग अध्यक्ष का निश्चित कार्यकाल दीर्घकालिक नेतृत्व स्थिरता सुनिश्चित करता है, राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान भी पक्षपातपूर्ण निर्णय लेने की धारणा को कम करता है। अध्यक्ष के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र निरीक्षण तंत्र शुरू करने से अधिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है और पक्षपातपूर्ण कार्रवाइयों को रोका जा सकता है। पीठासीन अधिकारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें संसदीय कार्यवाही की जटिलताओं को निष्पक्ष रूप से संभालने के लिए आवश्यक कौशल से लैस कर सकते हैं। निष्पक्ष निर्णय लेने और संघर्ष समाधान पर केंद्रित नेतृत्व प्रशिक्षण अध्यक्ष को तटस्थता बनाए रखते हुए राजनीतिक दबावों को बेहतर ढंग से नेविगेट करने में मदद कर सकता है। संसदीय समितियों और चचाओं में द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देने से निर्णय लेने के लिए अधिक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है। संसदीय समितियों के भीतर अंतर-दलीय संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करने से मतभेदों को दूर करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकार और विपक्ष के बीच मध्यस्थता में अध्यक्ष तटस्थ रहें।

संसदीय कार्यवाही की तटस्थता सुनिश्चित करने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए, अध्यक्ष के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना, द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देना और स्पष्ट दिशा-निर्देशों और लंबे कार्यकाल के माध्यम से निष्पक्ष नेतृत्व सुनिश्चित करना आवश्यक है। दरअसल, इसके जरिए विपक्ष कहीं न कहीं संसद के दोनों सदनों में आसन को एक संदेश देना चाह रहा है कि अगर आसन निष्पक्ष नहीं दिखता है तो विपक्ष अपने संवैधानिक अधिकारों को इस्तेमाल करने में नहीं हिचकिचाएगा। पिछले सत्र में लोकसभा स्पीकर को लेकर भी राजनीतिक गलियारे में ऐसी चर्चा थी।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों द्वारा निरंतर प्रदर्शन का अभाव

क्रिकेट में खिलाड़ियों द्वारा लगातार अच्छा प्रदर्शन न कर पाना कई कारणों से होता है। उपचारों को भी प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है। किस प्रकार के कारण हो सकते हैं? खिलाड़ी अधिक थके हुए होते हैं। इस वजह से खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में असफल हो जाते हैं ।ऐसी कई चीजें हैं जिनकी वजह से खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते।

कारणः 1. शारीरिक थकावट और फिटनेस की कमीः लगातार खेलने, यात्रा करने और आराम की कमी के कारण एथलीटों में थकान होने लगती है, जिसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ता है।

2. मानसिक दबाव और तनावः

उच्च उम्मीदें, प्रतिस्पर्धी दबाव और खराब प्रदर्शन का तनाव ऐसे कारक हैं जो एथलीटों के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

3. तकनीकी त्रुटिः कभी-कभी खिलाड़ियों की तकनीक में गलतियाँ होती हैं, जिससे निरंतरता बनाए रखना मुश्किल हो जाता है।

4. स्थिति के अनुसार अनुरूपता का अभावः विभिन्न प्रकार की पिचों, मौसम और विरोधी टीम की रणनीति के अनुरूप ढलने में कठिनाई।

5. अनुशासन का अभावः नियमित व्यायाम, आहार और जीवनशैली में निरंतरता लगातार प्रदर्शन में बाधा बन सकती है।

6. खेलों में आराम की कमीः कई बार खिलाड़ियों को बहुत सारे मैच खेलने पड़ते हैं, जिससे उनके प्रदर्शन की गुणवत्ता कम हो जाती है।

समाधानः 1. स्वास्थ्य कार्यक्रमः उचित शारीरिक और मानसिक फिटनेस के लिए एथलीटों को नियमित प्रशिक्षण लेना चाहिए। थकान से बचने के लिए आराम का शेड्यूल भी बनाना चाहिए।

2. मानसिक स्वास्थ्य कोचः तनाव कम करने के लिए एथलीटों को परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षक उपलब्ध कराए जाने चाहिए। कभी-कभी खेल मनोवैज्ञानिक की मदद लेना अधिक उचित होता है।

3. तकनीकी कौशल में सुधारः खिलाड़ियों की तकनीकी त्रुटियों को नियमित अभ्यास, वीडियो विश्लेषण और विशेषज्ञ कोचिंग से ठीक किया जा सकता है।

4. कार्यभार प्रबंधनः खिलाड़ियों के कार्यभार का उचित प्रबंधन किया जाना चाहिए। खेल और आराम के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों को कुछ मैचों में आराम दिया जाना चाहिए।

5. अनुशासनः जीवनशैली में नियमितता लाने के लिए आहार, नींद और व्यायाम पर ध्यान दें।

6. सशर्त तैयारीः विभिन्न वातावरण, पिचों और टीम रणनीतियों के लिए अभ्यास सत्र आयोजित करें।

7. विफलता विश्लेषणः खराब प्रदर्शन के कारणों का अध्ययन किया जाना चाहिए और उन्हें सुधारने के उपाय किये जाने चाहिए।

निष्कर्षः लगातार प्रदर्शन के लिए शारीरिक और मानसिक तैयारी, तकनीकी प्रशिक्षण और उचित प्रबंधन के संयोजन की आवश्यकता होती है। एथलीटों को सकारात्मक माहौल और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने से उनका प्रदर्शन बरकरार रह सकता है।

ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से खिलाड़ी हर स्तर पर अपना अच्छा प्रदर्शन बरकरार रखने में असफल रहते हैं। यहां तक कि मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भी हम अपने कई मशहूर खिलाड़ियों को फेल होते हुए देख रहे हैं। खेल में निरंतरता बनाए रखने पर ही खिलाड़ियों को अगली सीरीज या टूनार्मेंट के लिए चुना जाता है। चयन समिति के पास अब बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं, जिसका मतलब है कि कई खिलाड़ी भारतीय टीम का दरवाजा खटखटाते नजर आ रहे हैं। प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी एकाग्रता बनाए रखनी चाहिए और कड़ी मेहनत करते हुए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, अन्यथा उसे तुरंत बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। कई खिलाड़ियों को ये अनुभव भी हो चुका है कि टीम से बाहर होना अब बहुत आम बात हो गई है। टीम में जगह बनाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन यदि आप बाहर होने के लिए एक दो पारी भी खराब खेलते हैं तो चयन समिति द्वारा खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। खिलाड़ियों को मेरे द्वारा ऊपर बताई गई सभी बातों का उचित रूप से पालन करना चाहिए ताकि एकाग्रता से खेलें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें! अपने खिलाडी.ऐसा ही करेंगे यह हम अपेक्षा करते हैं।

-डॉ. गोकुलसिंह गिरासे, क्रिकेट कमेंटेटर

अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के तीसरी बार अध्यक्ष बने अजय शुक्ल

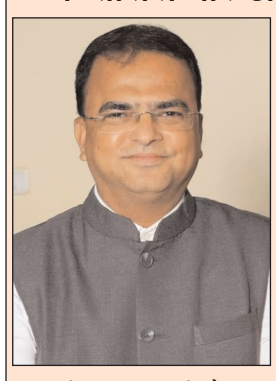

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुर्ला के जाने माने समाजसेवी और अनेक संस्थाओं में महत्वपूर्ण पदों पर विराजमान मुंबई निवासी और पेशे से सिविल इंजीनियर अजय अमरनाथ शुक्ल को अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर लगातार तीसरी बार एकमत से निर्विरोध नियुक्त किया गया है।. शुक्ल की नियुक्ति 3 वर्षों 2025-27 तक की गई है। बता दें कि अजय शुक्ल कान्यकुब्ज मंडल, मुंबई के मंत्री भी हैं। वे लंबे समय से कान्यकुब्ज मंडल में कार्य कर रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर अशोक पांडेय, अरविंद अवस्थी, करूणाशंकर शुक्ल, एमबी शुक्ल, केके वाजपेयी, अशोक द्विवेदी, जयश्री, गीता शुक्ला, इंजीनियर आदित्य पाठक आदि ने हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की है।

कमलादेवी महाविद्यालय में संवाद कार्यक्रम का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कमलादेवी एजुकेशन ट्रस्ट संचालित कमलादेवी महाविद्यालय में कला , वाणिज्य , व्यवस्थापकिय , माहिती एवं प्रौद्योगिकी , और संगणक शास्त्र में स्नातक शिक्षा लेने वाले छात्रों कोदेश के युवाओं की भूमिका इस विषय पर संवाद के लिए डॉक्टर. एफरेम रेड्डा (नॉर्थ वेस्ट विश्वविद्यालय , दक्षिण अफ्रीका) निर्मंत्रित थे। इस संवाद कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के व्यवस्थापकीय गणमान्यों द्वारा किया गया था। आज के वैश्वीकरण के युग में हमें शिक्षा क्षेत्र में आदान - प्रदान की आवश्यकता है , उसी के साथ - साथ युवाओं को उच्च शिक्षा में संशोधन बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। हमारे देश के शिक्षा की नींव शिक्षा क्षेत्र में विभिन्न शाखाओं की संशोधकता पर निर्भर हैं । ऐसा प्रतिपादन अतिथियों द्वारा किया गया। हमारे देश की जनसंख्या एक साधन हैं , भारत देश युवाओं को एक बड़ी उपलब्धि देने वाला देश हैं , साथ ही साथ संपूर्ण विश्व भारत को सभी क्षेत्रों में नई आशाओं का केंद्र मानता हैं , युवाओं को मिले शिक्षा के अवसर का उन्होंने अच्छे तौर पर उपयोग कर के अपने निजी तथा देश के भविष्य को उज्ज्वल करना चाहिए ऐसा भी संदेश उन्होंने दिया। अंत के छात्रों के साथ प्रश्न - उत्तर के माध्यम से अनेक शंकाओं का तथा प्रश्नों का समाधान अतिथियों ने किया। सम्पूर्ण समारोह पूर्ण रूप से ज्ञान भरा और जानकारी पूर्ण था।

तारापुर परमाणु उर्जा संयत्र द्वारा माँक ड्रिल का किया गया सफल आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। तारापुर परमाणु उर्जा संयत्र' के आसपास किसी भी विषम परिस्थितियों से निपटने को लेकर संयत्र के अधिकारियों और जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र सरकार के अधिकारियों की उपस्थिति में आपदाओं से निपटने की तैयारी का 'माँक ड्रिल(नकली अभ्यास) का सफलता पूर्वक आयोजन गुरुवार 12 दिसंबर 2024 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच जिलाधिकारी कार्यालय में किया गया।

बतादें कि 'माँक ड्रिल(नकली अभ्यास)' का मुख्य उद्देश्य आसपास के क्षेत्रों की भौगोलिक वस्तु स्थिति को जानकारी प्राप्त करने को लेकर रहती है। जिससे समय रहते किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने में तैयारी तथा सजगता किस हद तक सही है। पालघर जिला सूचना कार्यालय की ओर से हमारे संवद्दत को दी गयी जानकारी के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों ने केंद्र सरकार से आये हुए अधिकारियों को आश्वस्त करने में निश्चित तौर पर सफल हुए है कि 'तारापुर परमाणु उर्जा सयंत्र' के संबंधित अधिकारी गण रेडियो धर्मिता से उपजने वाले हर मुश्किल परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी व्यवस्था के साथ तैयार हैं।

15 दिसंबर को मैत्रीबोध परिवार द्वारा 'एक भारत, हम भारत पदयात्रा' का आयोजन

मुंबई। मानव चेतना के उत्थान और एकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित सामाजिक-आध्यात्मिक संगठन मैत्रीबोध परिवार ने ₹एक भारत, हम भारत पदयात्रा₹ की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम 15 दिसंबर 2024 को महर्षि कर्वे मार्ग, चर्चगेट पर ओवल मैदान के प्रवेश द्वार पर होगा। इस कार्यक्रम में भारत की एकता और एकजुटता की भावना को पुनर्जीवित करने के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों से 1500 से अधिक लोग एक साथ आएंगे। विश्व को एक परिवार के रूप में एकजुट करने की दृष्टि से, पदयात्रा का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विरासत में गहराई से जुड़े प्रेम, एकता और शांति के मूल्यों को फिर से स्थापित करना है। एक भारत, हम भारत के दूरदर्शी और मैत्रीबोध परिवार के संस्थापक मैत्रेय दादाश्रीजी, जाति, धर्म और मान्यताओं के विभाजन को पाटने की दिशा में अथक प्रयास कर रहे हैं। वैश्विक परिवर्तन के अपने प्रयासों के माध्यम से वे सद्भाव के साझा बैनर के तहत मानवता को एकजुट करते हुए एक विश्व, एक परिवार की स्थापना के लिए काम कर रहे हैं। मैत्रेय दादाश्रीजी (परिवर्तन अग्रदूत, संस्थापक - मैत्रीबोध परिवार) ने कहा, हमारा राष्ट्र हमारी संस्कृति के धागों से बुना गया है, जो हमें एक साथ जोड़ता है। एक भारत, हम भारत के माध्यम से हम अपने राष्ट्र को प्रेम और सद्भाव से बंधे एक संयुक्त परिवार के रूप में स्थापित करेंगे।

हमारे लिए यह एकता विश्वगुरु बनने का मार्ग प्रशस्त करेगी। 2013 में अपनी स्थापना के बाद से, मैत्रीबोध परिवार आध्यात्मिक कार्यक्रमों और सामाजिक सुधार परियोजनाओं, जीवन को बदलना और मैत्री भाव-प्रेम और दोस्ती की भावना को बढ़ाने में सबसे आगे रहा है। एक भारत, हम भारत पदयात्रा बाधाओं को पार करने और एक सामंजस्यपूर्ण तथा समावेशी समाज बनाने के लिए संगठन की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है। प्रेम और शांति का सार्वभौमिक संदेश देने के लिए प्रतिभागी एकजुट होंगे। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम सिर्फ एक यात्रा नहीं है बल्कि राष्ट्र की आत्मा को पुनर्जीवित करने का एक मिशन है, जो मानवता के सामूहिक विकास को बढ़ावा देने में साझा सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर जोर देती है।

जिला परिषद अरोग्य विभाग द्वारा 11 से 17 दिसंबर तक सिकलसेल जागरूकता सप्ताह का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में 11 से 17 दिसंबर तक जिले में सिकल सेल जागरूकता सप्ताह चलाया जा रहा है। जिले में 2009 से

14 वर्षों में 13,96353 सिकल सेल परीक्षण किया गया। इन परीक्षण में 24 हजार 228 वाहक तथा 1 हजार 606 सिकल सेल मरीज पाये गये हैं। इन रोगियों को निःशुल्क दवा, रक्त आपूर्ति और परामर्श दिया जा रहा है। इस बीच संजय गांधी निराधार योजना के तहत वित्तीय लाभ भी दिया जा रहा है। इसकी सूचना जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से दी गयी है।

सिकल सेल रोग आनुवंशिक है और माता-पिता से बच्चों में फैलता है। सिकल सेल रक्त कोशिकाएं हंसिया के आकार की और कड़ी होती हैं। ये कोशिकाएँ चिपकी रहती हैं। इससे उस क्षेत्र में रक्त की आपूर्ति बाधित हो जाती है, ऐसे में मरीज को असहनीय दर्द का अनुभव होता है। सिकल सेल रोगियों की हड्डियों, सबसे महत्वपूर्ण आंखों, अग्न्याशय, त्वचा, पित्ताशय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा होता है। अगर आप इस बीमारी से बचना चाहते हैं। वाहक-, वाहक-वाहक, रोगी-रोगी को आपस में विवाह नहीं करना चाहिए, क्योंकि जन्म लेने वाला बच्चा सिकल सेल वाहक या रोगी होता है। सिकल सेल रोग का कोई पूर्ण इलाज नहीं है, हालाँकि इसे नियंत्रित किया जा सकता है। सिकल सेल रोगी को नियमित और संतुलित आहार की आवश्यकता होती है। कुल मिलाकर पिछले कुछ वर्षों से लगातार सिकल सेल जांच की जा रही है, जिसके तहत अधिक से अधिक लोगों को अपने सिकल सेल रक्त की जांच करानी चाहिए, ऐसी अपील जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने की है। सिकल सेल रोग में निम्नलिखित लक्षण पाए जाते हैं।

1.खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होना। 2. अंगों में सूजन, भूख न लगना। 3. जोड़ों का दर्द, असहनीय। 4. जल्दी थकान होना, चेहरा सुस्त दिखना। 5. छोटे बच्चों में बार-बार कीटाणुओं का संक्रमण होना। 6. शरीर का पीला पड़ना। सिकल सेल रोगियों के लिए निम्न लाभ दिया जाता है। सिकल सेल रोगियों को निःशुल्क दवा, रक्त आपूर्ति, परामर्श दिया जाता है। इसी प्रकार, सिकल सेल रोगी (एसएस पटर्ण) को संजय गांधी निराधार योजना के तहत वित्तीय लाभ भी दिया जाता है। वहीं 10वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान प्रत्येक पेपर के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाता है ।सिकलसेल के मरीजों को बस यात्रा में भी सहूलियत दी जाती है।

पालघर जिले में एक हजार छह सौ हैं सिकलसेल मरीज

अपना पूर्वांचल महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राम कथा में पहुंचकर लिया आशीर्वाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। माधव सेवा समिति द्वारा आयोजित अपना पूर्वांचल महासंघ रजि.ह्वके सहयोग से ठाकुर कॉम्प्लेक्स, कांदिवली में भव्य राम कथा का आयोजन परमपूज्य। श्री श्री 1008 रामानुजाचार्य महाराज, असरफी बाबा, अयोध्या वाले के मुखारबिंदु से, 7 दिसंबर, 2024 से अनवरत चल रही है। जिसमें भारी संख्या में, सनातन धर्मी पहुँच करके राम कथा का रसपान कर रहे हैं। समाज के जितने भी गणमान्य लोग हैं सब दर्शन का आनंद ले रहे हैं, बाबा से आशीर्वाद लेकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। 13 दिसंबर 2024 को समाज के अन्य गणमान्य और अग्रणी लोगों के साथ ह्लअपना पूर्वांचल महासंघ रजि. के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अशोक कुमार दुबे, संस्था के राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर अम्बरीश दुबे, कोषाध्यक्ष मनोज राय, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, गुरूजी का आशीर्वाद प्राप्त किए। इस अवसर पर पंडित राधेश्याम तिवारी, भास्कर दुबे, एडवोकेट संदीप दुबे, अजय शुक्ला, एडवोकेट उत्तम शुक्ला भी उपस्थित रहे।

सेंट मैरी स्कूल भारतीय परंपराओं और रीति-रिवाजों को सिखाता

कल्याण(उत्तरशक्ति)। सेंट मैरी हाई स्कूल, कल्याण ने अपना वार्षिक खेल दिवस कार्यक्रम, खेल मेला' आर्य गुरुकुल, नंदिवली स्कूल मैदान में मनाया। इस भव्य आयोजन का विषय ₹यूनिवर्सल आउटलुक₹ था - एक अवधारणा जिसने जड़ें जमा ली हैं। चिन्मय विजन कार्यक्रम. चिन्मय विजन स्कूल होने के नाते, सेंट मैरी भारतीय परंपराओं और रीति-रिवाजों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करता है।

खेल मेला व्यक्तिगत खेल, टीम खेल, अंतर-स्कूल प्रतियोगिताओं और डीएसओ सहित डेढ़ महीने की खेल प्रतियोगिताओं का परिणाम दिवस है। पूरे आयोजन में यूनिवर्सल आउटलुक की थीम को बेहतरीन प्रस्तुतियों और प्रदर्शनों के साथ खूबसूरती से पेश किया गया, जिसने एक साथ सभी को मंत्रमुग्ध और प्रबुद्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत ओलंपिक उद्घाटन समारोह

के साथ हुई, जिसके बाद पारंपरिक शपथ ग्रहण समारोह, स्कूल ध्वजारोहण, एनसीसी कैडेटों द्वारा मार्च पास्ट और मशाल जलाया गया। छात्रों ने विभिन्न ट्रैक कार्यक्रमों में भी भाग लिया, जिससे हर स्कूल में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बना। विस्तृत प्रस्तुति, विस्तृत वेशभूषा और विस्तृत कलाकृति ने एक बहुरूपदर्शक दृश्य बनाया। सेंट मैरीज में माता-पिता की भागीदारी को अत्यधिक महत्व दिया जाता है और यह तब स्पष्ट हुआ जब माता-पिता ने भी खेल और दौड़ में भाग लिया। मुख्य अतिथि श्रीमती रोहिणी लोकरे, पर्यावरण और प्रदूषण नियंत्रण विभाग, बीएसयूपी और केडीएमसी ने खेल और छात्रों के समग्र विकास को महत्व देने के लिए स्कूल की सराहना की। उच्च शिक्षित माननीय मुख्य अतिथि अशोक कदम, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कोलसेवाड़ी ने कहा कि सच्चा अनुशासन हमेशा जमीन पर सीखा जाता है।

आर्य ग्लोबल के निदेशक भरत मलिका ने अभिभावकों को उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और इस विशेष दिन के लिए स्कूल के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की प्रशंसा की। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने अतिथियों को उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि खेल आपको ऊजार्वान होने की ताकत देता है। इस अवसर पर दीपक वर्मा, क्रीडा संचालक विंदा भुस्कुटे सीईओ, राधामणी अय्यर प्राचार्य आर्य गुरुकुल, नांदिवली, शीतल सप्रा, लिटल आर्यन केंद्र प्रमुख , स्पृहा सोमण, रुतु किटलेकर अनेकों मान्यवर उपस्थित थे।

शिव आरोग्य सेना ने गांव से आए मरीजों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महाराष्ट्र ही नहीं देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए निरंतर आते रहते हैं। ऐसे में दूर दराज ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अस्पतालों में भर्ती होने के लिए काफी भाग दौड़ करनी पड़ती है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिव आरोग्य सेना के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. किशोर थानेकर, राज्य समन्वयक जीतेन्द्र दगडू सकपाल, उपाध्यक्ष डॉ. जयवंत गाडे के मार्गदर्शन में

पिछले कुछ सालों ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों की मदद की जा रही है। इसी कड़ी में घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में समाजसेवा का कार्य करने वाले मुंबई के सह समन्वयक प्रकाश वाणी से उपचार के लिए ज्ञानदीप सुतार ने अपने एक रिश्तेदार के लिए मदद मांगी गई। महाड़ के चिंबवे गांव के खाड़ी पट्टे में रहने वाले ग्रामीण गुरुनाथ गणपत सुतार उपचार के लिए मुंबई आए थे। उन्हें एमआरआई, सिटी स्कैन, एक्स-रे की जांच करने की सलाह डॉक्टरों ने दी थी। लेकिन वे इस जांच को कराने में असमर्थ थे। ऐसे में प्रकाश वाणी, सचिन भांगे ने सभी जांच के पैसे का स्वयं भुगतान किया और उनकी सहायता की। गुरुनाथ सुतार ने इसके लिए शिव आरोग्य सेना को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

पालघर जिला परिषद मुख्यालय में चार एम्बुलेंस का किया गया लोकार्पण

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन उपसंचालक , परिवहन के द्वारा स्वास्थ्य विभाग, जिला परिषद पालघर के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवघर तहसील वसई को एक एम्बुलेंस, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंद्रनगर तहसील दहानु को एक एम्बुलेंस, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा को एक एम्बुलेंस तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सूत्रकार तहसील तलासरी को एक एम्बुलेंस यानी कुल मिलाकर चार एम्बुलेंस दिया गया। जिसका लोकार्पण पालघर जिला परिषद मुख्यालय में शुक्रवार 13 दिसंबर 2024 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, समाज कल्याण समिति सभापति मनीषा निमकर, कृषि एवं पशुसंवर्धन समिति सभापति संदीप पावड़े, निर्माण स्वास्थ्य समिति सभापति संदेश ढोणे, महिला एवं बाल कल्याण समिति सभापति रोहिणी शेलार के साथ ही जिला परिषद सदस्यों तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी की विशेष उपस्थिति में जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम व जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज कोरे के शुभ हाथों किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, जिला परिषद सदस्य मंगेश भोईर, हबीब शेख, अनिल झिरवा ने स्वयं एम्बुलेंस चलाकर शुभारंभ किया।

जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने ड्राइवरों से कहा कि एम्बुलेंस की देखभाल ऐसे करें जैसे कि यह आपकी अपनी संपत्ति हो, आप मरीजों की सेवा कर रहे हैं और एम्बुलेंस भी अच्छी स्थिति में है, इसलिए इसकी भी देखभाल करना आपका कर्तव्य है। इस अवसर पर जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

मंहगी गाड़ियां चुराना चोरों का फैशन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण की बाजारपेठ पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर सात मामलों का खुलासा किया है। पकड़े गए चोरों के पास से पुलिस ने सात मोटर बाइक बरामद किया है। आरोपियों की पहचान रोशन शेख और अलमास अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उक्त दोनों आरोपियों पर कल्याण, भिवंडी, और कलवा पुलिस थानों में चोरी के अनेक मामले दर्ज है। जानकारी के अनुसार बाजारपेठ थाने के इंचार्ज सुरेश गौड़ ने डिसीपी अतुल झेंडे और एसीपी कल्याणजी घेटे आदेशानुसार सहायक पुलिस निरीक्षक प्रशांत आंधले के मार्गदर्शन में आरएस भालेराव, बीआर बागुल, पी.एम बाविस्कर, एबी आंधले, आर .ए . इशी आदि पुलिसकर्मियों की टीम ने कल्याण के रेतीबंदर इलाके से आरोपी क्रमांक 1 रोशन शेख को गिरफ्तार किया। रोशन की शिनाख्त पर पुलिस ने उसके साथी अलमास को भिवंडी से गिरफ्तार किया है । जिनके पास से मंहगी मोटर साइकिल बरामद किया और भी मामलों की जांच जारी है।

धानीवारी एवं धुंदलवाड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमिपूजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के अध्यक्ष प्रकाश निकम, विधायक विनोद निकोले, कृषि व पशुपालन समिति सभापति संदीप पावड़े, सभापति प्रवीण गवली, जिला परिषद सदस्य काशीनाथ चौधरी, सतीश करबट, शैलेश करमोडा की विशेष उपस्थिति में दहानु तहसील के धानीवरे और धुंदलवाड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हेतु भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। बतादें कि स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ ग्रामीण भी कई वर्षों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए प्रयास कर रहे हैं और पिछले साल इन दोनों स्वास्थ्य केंद्रों को मंजूरी मिली थी। इसी के तहत भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय आरोग्य अभियान पालघर जिला एकीकृत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं जिला परिषद एकीकृत स्वास्थ्य परिवार कल्याण सोसायटी पालघर द्वारा प्रदत्त अधिकार का उपयोग करते हुए इस स्वास्थ्य केंद्र को प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। दोनों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 1 करोड़ 43 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि यह उपकेंद्र छह माह में बनकर तैयार हो जायेगा और अगले जून माह तक लोग इसका लाभ उठा सकेंगे। इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा कक्ष, औषधि निर्माण अधिकारी कक्ष, महिला कक्ष, पुरुष कक्ष, प्रयोगशाला, आपातकालीन कक्ष, कैंटीन आदि कक्षों का निर्माण किया जायेगा। इस स्वास्थ्य केंद्र का लाभ क्षेत्र के गांवों के निवासियों को मिलेगा। धानिवरी गांव की आबादी 14,750 है और इसमें 2 ग्राम पंचायतें शामिल हैं, जबकि धुंदलवाड़ी की आबादी 55,000 है और इसमें 11 ग्राम पंचायतें शामिल हैं।

जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने जोर देकर कहा कि इससे इस क्षेत्र के ग्रामीण लोगों को फायदा हो सकता है। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, जमीन मालिक, उपसरपंच, ग्रामसेवक, पुलिस पाटील, चिकित्सा अधिकारी के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी समेत अनेक ग्रामस्थ उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दिल्ली एम्स के जिम खाना में आयोजित इंटर मिनिस्ट्री टूनार्मेंट में शुभम ने दिलाया गोल्ड

ऑल इंडिया सिविल सर्विस में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे शुभम यादव

गुड़िया राज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिहौली निवासी शुभम यादव ने दिल्ली एम्स के जिम खाना में चल रहे इंटर मिनिस्ट्री बैडमिंटन टूनार्मेंट में खिलाड़ी शुभम यादव ने अपने डिपार्मेंट को दिलाया गोल्ड मेडल,एम्स के जिम खाने में 2 दिसंबर से 13 दिसंबर तक चलने वाले इंटर मिनिस्ट्री टूनार्मेंट, जिसमें दिल्ली के सारे मिनिस्ट्रीज मिनिस्टरीज खेलने आई है जिसमें से शुभम यादव मिनिस्ट्री आफ कम्युनिकेशन से प्रतिनिधित्व कर रहे थे शुभम यादव का सेमीफाइनल रेलवे बोर्ड से था शुभम यादव उनको हराकर फाइनल में पहुंचे और पिछली बार के चैंपियन कंट्रोलर अकाउंटेंट जनरल से फाइनल था। जिसमें से पांच में से तीन में जितना होता है शुभम यादव ने अपना डबल्स और सिंगल मैच फाइनल अपने नाम किया इस जीत की खुशी से शुभम यादव के कोच रूपेंद्र सर, रेणुका मैडम, सुशील, आलोक और टीम के सारे लोगों ने बहुत सारी खुशी जताई और इंडिविजुअल में अभी शुभम यादव और तुषार शर्मा ने जीता गोल्ड मेडल और मिक्स डबल्स में शुभम यादव और मयूरी यादव को मिला ब्राउंस वही रेणुका मैं 55 प्लस में जीती 3 गोल्ड मेडल, जीतने के बाद शुभम यादव ने बताया कि ऑल इंडिया सिविल सर्विस के लिए सिलेक्शन हुआ है। इसके बाद 3 जनवरी से दिल्ली में ही ऑल इंडिया सिविल सर्विस खेला जाएगा। शुभम यादव दिल्ली का प्रतिनिधित्व ऑल इंडिया सिविल सर्विस में करेंगे। शुभम अपने प्रेक्टिस डेयूस बैडमिंटन अकादमी में करते हैं।

जीत और वही अंशुमान गोगोई ने तुषार शर्मा को हराकर अपना सिंगल मैच जीता। अमित सरोज ने गौरव देशवाल से हर का सामना करना पड़ा। शुभम यादव की टीम मिनिस्ट्री आफ कम्युनिकेशन 3-1 से

वार्षिकोत्सव समारोह में छात्र छात्राओं की प्रस्तुति ने मोहा मन

विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कार्य को अतिथियों ने सराहा

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के वासुदेव तपेश्वरी गर्ल्स इण्टर कॉलेज का 24 वां वार्षिकोत्सव समारोह शनिवार को

बड़े धूमधाम से मनाया गया जिसमें विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कार्य का अतिथियों ने निरीक्षण कर खूब सराहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से आए समाजशास्त्र के प्रोफेसर आर.एन. त्रिपाठी ने सर्वप्रथम पंडित वासुदेव मिश्र (वैद्य जी) के चित्रों पर माल्यार्पण कर विज्ञान एवं प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और माँ सरस्वती,पंडित केशव प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इसके पूर्व मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया ।कालेज की छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम का आगाज किया। अथितियों ने बच्चों के हौसला बढ़ाने के लिए पुरस्कृत किया तो वहीं छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति दिया ।कार्यक्रम में अतिथि श्री त्रिपाठी ने लड़कियों की शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि बेटियों की राह में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करना चाहिए। प्रकृति ने बेटियों में इतना उर्जा दी है कि वह खुद शिक्षित होंगी और दूसरों को भी शिक्षा देंगी। आज विभिन्न क्षेत्रों में बेटियां अपना नाम रोशन कर रही है और आगे बढ़ रही है। हम अभिभावकों को बेटियों को आगे बढाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। संरक्षक अनिल कुमार उपाध्याय ने कॉलेज के उपलब्धियों को गिनाते हुए स्वागत भाषण से अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्या सुनीता मिश्रा ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन डॉ. अजय कुमार तिवारी ने किया।

इस मौके पर चेयरमैन वसीम अहमद, रूपेश गुप्ता, परवेज आलम भुट्टो, एडवोकेट कुसुम सिंह, प्रधानाचार्य दिनेश कुमार गुप्ता, रेखा यादव, विभा पाण्डेय, विनोद मिश्रा, राजेश यादव, जयदेव पाण्डेय, उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा, किश्वर सुल्ताना, शांतिभूषण मिश्रा, डॉ. धर्मराज पाण्डेय, मनीष कुमार गुप्ता समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

विद्यालय में रोजगार मेले का हुआ आयोजन

निशानाथ

खेतसराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोरईकला में पंख पोर्टल के अंतर्गत रोजगार मेला का सफल

आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ.अर्चना सिंह, प्रधानाध्यापिका राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डीहिया, जौनपुर के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलित कर किया गया तत्पश्चात इन्हें स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि ने अपने विचारों से छात्रों का ज्ञानवर्धन किया और रोजगार परक शिक्षा पर विस्तृत प्रकाश डाला ।कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पुलिस टीम मुख्य आरक्षी शिव गोविंद यादव, रामकुमार आदि के अतिरिक्त नजमुद्दीन, प्रधानाध्यापक, जूनियर हाईस्कूल पोराईकला, त्रिभुवन यादव प्रधानाध्यापक, प्राइमरी विद्यालय पोरईकला, शकुंतला देवी, स्वास्थ्य विभाग, अमरजीत यादव बैंक कर्मचारी, अर्पित सिंह, इंजीनियर तथा अन्य शिक्षकों ने प्रतिभाग किया तथा छात्रों को उनके भविष्य में विभिन्न विभाग में उनके रुचि के अनुरूप रोजगार के अवसरों का छात्रों से परिचय कराया ।कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में रिंका यादव(नोडल अधिकारी), संध्या किरन (स. अ.),संजू यादव (स.अ.), अवनीश दूबे (क.लि.) एवं समस्त छात्र छात्राओं का विशेष सराहनीय योगदान रहा ।सभा में अभिभावक तथा भूतपूर्व छात्रों की भी गरिमामई उपस्थिति रही एवं अंत में प्रधानाध्यापिका पूर्णिमा गुप्ता द्वारा सभी विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों एवं छात्रों का आभार प्रकट करने के पश्चात कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पौत्र के जन्मोत्सव पर पूरे गांव में बांटी साड़ियां और सेठउरा, गांव वालों ने कार्यक्रम में लिया हिस्सा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजी बाजार थाना क्षेत्र के सकरा रामपुर गांव में संस्कृत साहित्य के मूर्धन्य विद्वान शिव संस्कृत महाविद्यालय बरईपार के प्राचार्य पंडित मार्कंडेय प्रसाद पांडेय के घर उनके पुत्र सुशील कुमार पांडेय और सत्येंद्र कुमार पांडेय के बच्चों के जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिस आयोजन में पूरे गांव के के साथ क्षेत्रीय लोग सम्मिलित हुए। और बच्चों को यशस्वी होने के आशीर्वाद दिया गया। इस मौके पर संस्कृत संध्या का आयोजन किया गया जिसमें गायक ने माहौल को भक्ति में बनाया और सोहर गीत गाया पूरे गांव में हर घर पर सकरा रामपुर के गांव में पंडित मार्कंडेय प्रसाद पांडेय की तरफ से साड़ियों का वितरण करवाया गया। उन्होंने कहा कि यह खुशी हम पूरे गांव वालों के साथ मिलकर मना रहे हैं। पूरा गांव मेरा परिवार है और यह खुशी हम अपने परिवार के साथ मिलकर मना रहे हैं परिवार के साथ खुशी में मनाने का आनंद ही कुछ और होता है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रमेश चंद्र पांडे गिरिजेश मिश्रा सत्येंद्र कुमार पांडेय सुरेश पांडेय माता चरण पांडेय चंद्रकांत पांडेय समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

सूर्यकान्त अस्थाना को इंफोसिस में सिस्टम इंजीनियर के रूप में मिली नियुक्ति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांञ्चल विश्वविद्यालय के बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) 2022 बैच के स्वर्ण पदक विजेता छात्र सूर्य कान्त अस्थाना को इंफोसिस में सिस्टम इंजीनियर के पद पर नियुक्ति मिली है। उन्हें कर्नाटक के मैसूर में अपनी प्रथम ज्वाइनिंग देनी होगी। प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें 3.6 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज का ऑफर मिला है। सूर्य कान्त ने जनवरी 2023 से फरवरी 2024 तक विश्वविद्यालय के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में ट्रेनर के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। उनके योगदान को विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने सराहा। उनकी इस उपलब्धि पर पूर्वांञ्चल विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. वंदना सिंह, कुलानुशासक प्रो. राज कुमार, और विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर ने शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूर्य कान्त ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत के साथ-साथ गुरुजनों के मार्गदर्शन और माता-पिता के आशीर्वाद ने इस सफलता को संभव बनाया। यह नियुक्ति उनकी मेहनत और समर्पण का प्रतिफल है। सूर्य कान्त की इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार, बल्कि विश्वविद्यालय भी गौरवान्वित है। उनके जैसे छात्रों की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देती हैं। उनके करियर की यह शुरूआत उनकी उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है।

वीबीएसपीयू: पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, 3 जनवरी तक ऑनलाइन करें आवेदन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 दिसंबर 2024 से शुरू हो चुकी है। अभ्यर्थी 03 जनवरी 2025 तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने पीएचडी प्रवेश 2024 पोर्टल को लाइव करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के पोर्टल को ऑनलाइन करतीं कुलपति प्रो वंदना सिंह एवं शिक्षक।

लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने इसे छात्रों के लिए उन्नत शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने वाला कदम बताया। इस वर्ष 52 विषयों में पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं जिनकी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी है। इस कार्यक्रम में पीएचडी प्रवेश 2024 समिति के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, उप कुलसचिव बबीता सिंह, और अन्य समिति सदस्य डॉ. विक्रांत भटेजा, सुशील कुमार, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. राजित राम सोनकर और सुबोध कुमार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 03 जनवरी 2025 तय की गई है।

चुनाव हारने के बाद भी विकास कार्यों को गति दे रहे: कृपाशंकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने गत लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह को प्रत्याशी के रूप में उतारा तो जनता के बीच यह चर्चा हो रही थी कि वे मुंबई में राजनीति करने वाले है। सदैव महाराष्ट्र उनकी कर्मभूमि रही। वे जीत भी जायेंगे तो मुंबई में ही रहेंगे। जनपद के लोग उनसे मिल नहीं पायेंगे। यद्यपि कृपाशंकर सिंह उक्त चुनाव में हार गये परंतु चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने जौनपुर की सेवा करने का वादा जनता के बीच किया था ।उसे मूर्त रूप देने में कोई कोर कसर बाकी नहीं लगा रहे हैं। जनता की समस्याओं को सुनने और उनके निराकरण हेतु उन्होंने नगर में ही अपना स्थायी आवास एंव कार्यालय भी बना रखा है। वे प्रायः महीने में तीन चार बार तो अपने जौनपुर स्थित कार्यालय पर आते ही हैं। लोग उनके आगमन की प्रतीक्षा करते रहते हैं। यहां आते ही उनसे मिलने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है और भाजपा कार्यकताओं का उत्साह भी बढ़ जाता है। सिंह लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री से लेकर केन्द्रीय मंत्रियों तक से मिलते रहते हैं। हाल में ही पूर्व गृह राज्यमंत्री ने नगर के पालीटेक्निक चौराहे से मंडी अहमद खां होते हुए सिटी स्टेशन पर जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण हेतु लोक निर्माण विभाग से स्वीकृति दिलायी। इसके अलावा जौनपुर-शाहगंज रेल सेक्शनके समपार सं. 43 ए एवं 42 ए पर उपरिगामी सेतु स्वीकृत कराया। इसी क्रम में बख्शा, तेजी बाजार, उसरा बाजार-तेजी बाजार मार्गों पर भी रेलवे क्रासिंग पर उपरिगामी सेतु की मंजूरी दिलायी। पूर्व प्रत्याशी ने बख्शा सराहरखू के बीच बेलापार गांव में अंडर पास स्वीकृत कराया जिनका निर्माण शीघ्र ही आरंभ होने की संभावना है। पूर्व गृह राज्यमंत्री वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का गौरव दिलाने हेतु प्रयासरत है।अब जौनपुर संसदीय क्षेत्र की जनता को पिछले चुनाव में की गयी भूल का पछतावा हो रहा है।

खेतासराय पुलिस ने शातिर अभियुक्त को तमंचा व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डॉ0 अजय पाल शर्मा,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोक थाम एव अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर, अजीत सिंह चौहान के पर्वेक्षण में तथा रामाश्रय राय थानाध्यक्ष थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर 01 शातिर अभियुक्त सोहन यादव पुत्र स्व0 रामपलट यादव निवासी शिकारपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ अर्जनपुर मोड़ से आज दिनांक-14.12.2024 को11.25 बजे दिन में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 261/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम सोहन यादव पुत्र स्व0 रामपलट यादव निवासी शिकारपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा हैं।

शाहगंज पुलिस ने अभियुक्त को किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अरविन्द्र कुमार वर्मा जनपद जौनपुर के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज, अजीत सिंह चौहान जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना शाहगंज पर पंजीकृत मु0अ0स0-372/2023 धारा 420,406,467,468,471, 120इ थाना शाहगंज जनपद जौनपुर में नामजद अभियुक्त संदीप कुमार यादव पुत्र राम शरण यादव निवासी मुस्तफाबाद वरूणा थाना चौबेपुर जनपद वाराणसी को आज दिनांक-14/12/2024 को रोडवेज शाहगंज से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा गया।

अजीत कुमार मौत मामले में फोरेंसिक टीम पहुंची तालाब, किया निरीक्षण

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुरिस निवासी 28 वर्षीय अजीत कुमार की संदिग्ध मौत के मामले में जौनपुर से पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और कुछ नमूने भी इकट्ठा कर साथ ले गयी। तो वहीं सीओ अजीत कुमार चौहान और एसडीएम राजेश कुमार चौरसिया ने केडी हॉस्पिटल पहुंच कर अस्पताल के स्टाफ से पूछताछ की।और महत्त्वपूर्ण जानकारियां इकट्ठा की। बताते चलें की शुक्रवार की शाम क्षेत्र के सुरिस निवासी अजीत कुमार पुत्र रामआसरे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी थी। जिसे कुछ अज्ञात ने सुरिस

सीओ, एसडीएम ने अस्पताल के स्टाफ से किया गहन पूछताछ

स्थित केडी हॉस्पिटल में मरणासन्न अवस्था मे छोड़ गए थे। परिजनों और पुलिस को जानकारी मिलने पर उक्त अस्पताल पहुंचे तो तब तक अजीत की मौत हो चुकी थी। मृतक अजीत के शरीर का एक तरफ का हिस्सा बुरी तरह जला था। जिससे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए शुक्रवार की देर रात तक कोतवाली में हंगामा काटा।सीओ के समझाने पर मृतक के पिता ने लिखित तहरीर दी। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है और उक्त अस्पताल संचालक सहित तीन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अब मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच पड़ताल के बाद सामने आएगा कि अजीत की मौत स्वाभाविक है या हत्या।

अंबेडकर सर्व समाज विकास पार्टी का गठन, राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी ममता जी कार्यकताओं दी बधाई

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वामी विवेकानंद विद्यालय पर अंबेडकर सर्व समाज विकास पार्टी का गठन हुआ। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता जी को पार्टी के कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। उन्होंने कहा कि सभी उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाइयों बहनों का स्वागत है। आप लोगों ने अंबेडकर सर्व समाज विकास के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया उसके लिए धन्यवाद इस पार्टी का अंबेडकर सर्व समाज विकास इसलिए रखा गया है। क्योंकि हमको सर्व समाज का विकास करना है अभी हमारी पार्टी विस्तार में नहीं आई है। पार्टी अभी संगठित हो जाएगी तभी हम विकास की बातें कर सकते हैं। जय भीम जय भारत, इसी क्रम में राष्ट्रीय

महासचिव योगेंद्र यादव ने कहा की यह पार्टी का काम है कि सभी दबे कुचले न का उत्थान करने के लिए और संविधान के रास्ते पर चलना है सब का हक दिलाना है। संचालन कर रहे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय दूबे इस अवसर पर तो सुरेंद्र गिरी महेंद्र वर्मा राजकेश सिंह ज्ञानचंद गौतम मणिलाल यादव अखिलेश अस्थाना, मुन्नी लाल यादव पप्पू सिंह छात्र संग अध्यक्ष प्रतुश सिंह, अमित यादव संजय यादव सूबेदार यादव गौरव पांडे, दिलीप यादव निखिलेश पांडे मिथलेश गुप्ता रेनू गौतम मुन्नी लाल यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

12 जोड़ी ट्रेनों में बढ़ाए गए 32 जनरल कोच

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। ट्रेनों के जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। शिवगंगा समेत 12 जोड़ी ट्रेनों में 32 जनरल कोच लगाए गए हैं। इससे यात्रियों को सहूलियत होगी। इसके साथ ही रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों का भी नया शेड्यूल जारी किया है। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 12559/12560 बनारस-नई दिल्ली शिवगंगा एक्सप्रेस, 12581/12582 बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 15127/15128 बनारस-नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, 15159/15160 छपरा-दुर्ग एक्सप्रेस, 22536/22535 बनारस-रामेश्वरम एक्सप्रेस, 22581/22582 बलिया-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 15119/15120 बनारस-देहरादून एक्सप्रेस में जनरल कोच बढ़ाए गए हैं। इसके अलावा 15008/15007 लखनऊ-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस, 15018/15017 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 15097/15098 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस, 15003/15004 कानपुर अनवरगंज-गोरखपुर चौरीचौरा एक्सप्रेस, 15050/15049 गोरखपुर-कोलकाता-एक्सप्रेस, 15054/15053 लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस, 15083/15084 छपरा-फरुर्खाबाद एक्सप्रेस, 15115/15116 छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, 22531/22532 छपरा-मथुरा एक्सप्रेस में भी सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच बढ़ाए गए हैं।

यात्रियों को होगी सहूलियत, स्पेशल ट्रेनों का नया शेड्यूल जारी

सप्ताह में दो दिन चलेगी मुजफ्फर नगर-आनंद विहार टर्मिनस 05283/05284 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनस स्पेशल ट्रेन को अब द्विसाप्ताहिक स्पेशल के रूप में चलाया जाएगा। ऑपरेशनल कारणों के चलते इस ट्रेन की आवृत्ति में कमी की गई है। मुजफ्फरपुर से 14 से 31 दिसंबर तक चलने वाली 05283 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनस स्पेशल ट्रेन का संचालन प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को सप्ताह में दो दिन किया जाएगा। इसी प्रकार आनंद विहार टर्मिनस से 15 दिसंबर से 1 जनवरी 2025 तक चलने वाली 05284 आनंद विहार टर्मिनस-मुजफ्फरपुर स्पेशल ट्रेन का संचालन प्रत्येक बुधवार व शनिवार को सप्ताह में दो दिन किया जाएगा।

समाधान दिवस का हुआ आयोजन, 2 मामलों का मौके पर ही निस्तारण

जीशान अहमद खान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मेहनाजपुर पुलिस व भूमि से जुड़े विवादों के समाधान के लिए शनिवार को मेहनाजपुर थाने पर समाधान दिवस का आयोजन हुआ। राजस्व की टीम और पुलिस ने फरियादियों की समस्या सुनी। एसओ मेहनाजपुर अमित कुमार मिश्रा और कानूनगो पोदई यादव की मौजूदगी में मेहनाजपुर थाने में फरियादियों ने अपनी पीड़ा बताई। राजस्व टीम और थानाध्यक्ष की मौजूदगी में 2 मामलों का मौके पर ही निस्तारण हुआ। अन्य मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए टीमों का गठन किया गया। इस दौरान उप निरीक्षक आकाश कुमार, उप निरीक्षक कमालुद्दीन, उप निरीक्षक फूलचंद यादव,धर्मेंद्र यादव, विनोद यादव, राहुल चौधरी एवं राजस्व टीम से पोदई यादव कानूनगो, लेखपाल धीरेंद्र सिंह, अजीत सिंह, गौरव, विजय, मोहित, रोहित, प्रमोद कुमार, आशीष आदि मौजूद रहे।

अगले आदेश तक मुस्लिम पूजा स्थलों का सर्वेक्षण रोक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली उपासना स्थल अधिनियम,1991 पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला। ये बड़ा फैसला है हमें उम्मीद है कि इससे देश में साम्प्रदायिकता और अशांति फैलाने वालों पर रोक लगेगी: मौलाना अरशद मदनी. जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने आज के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को एक बड़ा और महत्वपूर्ण आदेश बताया है और एक बयान में कहा कि उम्मीद है कि इस फैसले से देश में सांप्रदायिकता और अशांति फैलाने वालों पर रोक लगेगी मामला संवेदनशील है, इसलिए कोर्ट इस पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगा, हालांकि ये अंतरिम फैसला भी अपने आप में बहुत बड़ा और अहम फैसला है, क्योंकि कोर्ट ने न सिर्फ मुस्लिम पूजा स्थलों के सर्वे पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है बल्कि अदालतों पर नए मामले दर्ज करने और सुनवाई करने पर भी रोक लगा दी गई है। मौलाना मदनी ने कहा कि संभल की शाही जामिया मस्जिद के सर्वेक्षण की आड़ में वहां जो कुछ हुआ या हो रहा है उससे साफ हो गया है कि मस्जिदें और दरगाहें पर मंदिर होने का दावा करके और उनके सर्वेक्षण की आड़ में सांप्रदायिक तत्व देश में अशांति फैलाकर सदियों पुरानी शांति और एकता और भाईचारे को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यही मुख्य कारण है कि ऐसे लोग उपासना स्थल अधिनियम 1991 कांटे की तरह चुभ रहा है और वे इसे किसी न किसी तरह से रद्द करने की खतरनाक साजिश कर रहे हैं। इसी लिए 2022 में इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। जिसके खिलाफ जमीयत उलमा-ए-हिंद ने उक्त कानून के पक्ष में सुप्रीम

नई दिल्ली उपासना स्थल अधिनियम 1991 पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मौलाना मदनी ने आगे कहा कि हमने बाबरी मस्जिद पर आए फैसले को भारी मन से स्वीकार किया था कि देश में कोई मस्जिद-मंदिर विवाद का जन्म नहीं होगा और देश में शांति और भाईचारे का माहौल होगा, लेकिन हमारी सोच गलत साबित हुई, आज एक बार फिर देश की स्थिति को बाबरी मस्जिद की तरह विस्फोटक बनाने की साजिश की जा रही है। मौलाना मदनी ने अगर निचली अदालतों ने संभल में प्रकरण में कोई आदेश जारी करने में कोई जल्दबाजी ना की होती तो पांच निर्दोष युवाओं की जान गंवाने से बच जाती मौलाना मदनी ने कहा कि निचली अदालतों का रवैया और तरीका बहुत निराशाजनक था उन्होंने कहा कि आज भी प्रशासन और स्थानीय पुलिस वहां के लोगों के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार कर रही है बाहरी लोगों को वहां जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है ऐसे में घायल और प्रताड़ित मुसलमान किसी से न्याय की गुहार नहीं लगा सकते है। मौलाना मदनी ने कहा कि देखा जाये तो किसी भी नए मामले की सुनवाई नहीं कर पाएंगे उन्होंने अंत में कहा कि हमें यकीन है कि अंतिम फैसला 1991 के कानून के पक्ष में होगा क्योंकि वही कानून है. जो देश में बढ़ते सांप्रदायिक और धार्मिक कट्टरवाद को रोक सकता है। जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से दायर याचिका का नंबर सिविल रिट याचिका 782/2022 है जिस पर कोर्ट ने 9/सितंबर 2022 को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था । जमीयत उलमा-ए-हिंद एकमात्र संगठन है जिसने इस कानून की रक्षा के लिए विशेष याचिका दायर की है और याचिका पर पहली सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन जमीयत उलमा-ए-हिंद की ओर से पेश हुए थे जमीयत उलेमा हिंद ने आज की सुनवाई में केवल पांच याचिकाकताओं को सूचीबद्ध किया था जिसमें केवल जमीयत उलमा-ए-हिंद ने कानून को बनाए रखने की मांग की थी और बाकी चार याचिकाएं थी जो उपासना स्थल अधिनियम को समाप्त करने की मांग को रखा था। जमीयत उलमा-ए-हिंद द्वारा सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद, अन्य मुस्लिम संगठन हस्तक्षेपकर्ता के रूप में पक्षकार बन गए है। फजलुर रहमान कासमी प्रेस सचिव जमीयत उलेमा हिंद।

भाजपा मंडल अध्यक्ष पद हेतु पड़े कुल 10 आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर स्थानीय नगर के एक पैलेस में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावित चुनाव के लिए कुल दस उम्मीदवारों ने अपने-अपने आवेदन प्रस्तुत किये। वरिष्ठ भाजपा नेता और चुनाव अधिकारी ब्रह्मदेव तिवारी ने बताया की मछली शहर मंडल अध्यक्ष पद हेतु राजन सिंह, हरिओम गुप्ता , अभिषेक सिंह,सुनील मौर्या, डॉ रामचंद्र बिन्द, जयानन्द चौबे रामप्रसाद साहू, सतीश पांडे, उत्कर्ष शुक्ला और वंदना पटेल ने अपनी-अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। सभी उम्मीदवारों ने दो-दो सेटो में अपना नामांकन फॉर्म भरकर जमा किया। चुनाव अधिकारी ब्रह्मदेव तिवारी ने बताया कि पार्टी के प्रति निष्ठा, कार्य, निष्ठा और लगन को देखते हुए मंडल अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष संतोष जायसवाल वर्तमान मंडल अध्यक्ष मनोज जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र विक्रम सिंह सहित भारी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बंद घर में घुसे चोर लाखों का सोना किया गायब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के राम नगर भड़सरा में एक बंद घर में वहां पर देखा कि चोर घर का ताला तोड़कर घर मे रखा तीन सोने की चैन,कान का झुमका,पायल व एक पैजनी उठा ले गए। चोर जाते समय घर मे लगा सीसी कैमरा भी उखाड़ ले गए,हालांकि के कैमरे से एक फोटो मोबाइल पर मिली है।वह उसी चोर की है।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि घटना का खुलासा जल्द ही हो जाएगा।पुलिस की टीम लगा दी गयी है।

पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू
03 जनवरी तक ऑनलाइन करें आवेदन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 दिसंबर 2024 से शुरू हो चुकी है। अभ्यर्थी 03 जनवरी 2025 तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने पीएचडी प्रवेश 2024 पोर्टल को लाइव करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन,अनुसंधान,नवाचार और कौशल विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने इसे छात्रों के लिए उन्नत शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने वाला कदम बताया। इस वर्ष 52 विषयों में पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिनकी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी है। इस कार्यक्रम में पीएचडी प्रवेश 2024 समिति के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, उप कुलसचिव बबीता सिंह, और अन्य समिति सदस्य डॉ. विक्रांत भटेजा, सुशील कुमार, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ.आलोक सिंह, डॉ.आलोक वर्मा, डॉ. राजित राम सोनकर और सुबोध कुमार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 03 जनवरी 2025 तय की गई है।

महाकुंभ में चिन्मय भारत न्यास को मिली बड़ी जिम्मेदारी

वाराणसी। चिन्मय भारत न्यास की राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत पंडित अजीत मिश्रा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं शिक्षा जगत के जनक आरएसएस के अखिल भारतीय अधिकारी प्रभुनाथ उर्फ मयंक से मुलाकात कर महाकुंभ पर विशेष आध्यात्मिक चर्चा की। मयंक ने चिन्मय भारत न्यास और माता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अजीत मिश्रा द्वारा किए गए आध्यात्मिक एवं सनातनीय एवं राष्ट्रीय कार्यों की विशेष सराहना करते हुए उन्हें यह दायित्व एवं जिम्मेदारी दी कि इस बार कुंभ में संघ के द्वारा आपको विशेष दायित्व एवं जिम्मेदारी दिया जा रहा है, जिसका निर्वहन आपके द्वारा प्रशंसनीय होगा। महंत अजीत मिश्रा ने मयंक के प्रति आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरे मनोयोग और समर्पण भावना के साथ करेंगे।

निजीकरण के विरोध में सड़कों पर उतरे बिजली कर्मचारी

सुरेश गांधी

वाराणसी। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के प्रस्ताव कर्मचारियों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर पहुंच गया है। निजीकरण के खिलाफ बिजली निगम के सामने कर्मचारियों ने न सिर्फ जबरदस्त धरना-प्रदर्शन किया, बल्कि शाखियांत कार्यालय के पास से जुलूस भी निकाला। इस दौरान सरकार को चेताया है कि आज का ये विरोध आगे और भी तेज होने वाला है। इस दौरान सभा में मीडिया प्रभारी अंकुर पांडेय ने कहा कि कहा कि बिजली कर्मी पूरे मेहनत से कार्य कर रहे हैं और निजीकरण के विरोध में सभी ध्यानाकर्षण कार्यक्रम कार्यालय समय के बाद कर रहे हैं। जिससे बिजली व्यवस्था पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े और उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत न हो। संघर्ष समिति ने कहा कि ग्रांट आफ निजीकरण के पहले जारी किए गए आरएफपी डॉक्यूमेंट में एटीएंडसी हानियां बहुत अधिक बढ़ाकर बताई गई थीं, जो फर्जी थी। इसी गलत डॉक्यूमेंट के चलते पॉवर कारपोरेशन को टोरेंट को बिजली देने में ही 2434 करोड़ रुपये की चपत अब तक लग चुकी है। इस बार भी परिसंपत्तियों का मूल्यांकन किए बिना पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों की अरबों खरबों रुपए की परिसंपत्तियों को कौड़ियों के मोल बेचने की साजिश है। बिडिंग के पहले अगर आरएफपी डॉक्यूमेंट जारी किया जाए तो पूरा घोटाला सामने आ जाएगा। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की अरबों रुपए की बेशकीमती जमीन किस आधार पर मात्र एक रुपए में निजी घरानों को सौंप दी जाएगी?, यह जनता की परिसंपत्ति है। इस सब बातों से बिजली कर्मचारी और उपभोक्ता बहुत अधिक परेशान और उद्वेलित है।

एसटीएफ ने चार आरोपियों को दबोचा, पूछताछ में हैरान करने वाले खुलासे

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी लखनऊ में होम्योपैथिक डॉक्टर सुरेंद्र कुमार को अगवा कर सात लाख रुपये वसूलने वाले चार अपहरणकर्ताओं को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। कर्ज से परेशान होकर आरोपियों ने रुपये की आवश्यकता पूरी करने के लिए डॉ.सुरेंद्र को अपहरण किया था। घटना में शामिल एक आरोपी डॉ.सुरेंद्र का पूर्व किरायदार है। एसटीएफ के एसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि डॉक्टर के अपहरण के मामले में पुलिस और एसटीएफ की टीम काम कर रही थी। सर्विलांस और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से बीती रात एसटीएफ की टीम ने बीबीडी गोयल हाइट अपार्टमेंट के पास चार अपहरणकर्ताओं गोंडा छपिया नेवादा सुकुवारपुर निवासी रामबाबू, बस्ती परशुरामपुर मुकुंदपुर मंगुला निवासी राजन कुमार, गोंडा के खोड़ारे मझड़वा केशवनगर निवासी अमित कुमार और बस्ती पैकोलिया लोहरौली जीतीपुर निवासी राज कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से डॉक्टर से वसूले गए 1.13 लाख रुपये, एर्टिगा कार यूपी 32 ईबी 9163, चार मोबाइल और एक आधार कार्ड बरामद किया। इस घटना का मास्टरमाइंड राम बाबू वर्मा है। पूछताछ में उसने बताया कि इंटर पास करने के बाद वर्ष 2021 में साकेत कालेज अयोध्या से डी-फार्मा कोर्स किया है। उसी समय डी-फार्मा करने वाले आरोपी राजन कुमार से दोस्ती हो गई थी। राजन मटियारी में दोस्त अमित कुमार व राज कुमार यादव के साथ गुरुकुल हॉस्टल में किराये का कमरा लेकर रह रहा था। राम बाबू वर्मा की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। उसने राजन कुमार को बताया था कि काफी कर्ज हो गया और कुछ काम बताओ। राजन ने राम बाबू को डॉ.सुरेंद्र के बारे में पूरी जानकारी दी। बताया कि वह पहले उनके मकान में किराए पर रहता था।

लक्ष्मी विश्वकर्मा के हत्यारों का नहीं मिला सुराग

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। भदोही जिला के थाना कोतवाली अन्तर्गत ग्राम रडई में विश्वकर्मा समाज की बेटी की हुई हत्या प्रकरण में घटना की जानकारी लेने तथा परिजनों से मिलने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व शिक्षा मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा रडई गांव पहुंचे। लड़की के पिता राजकुमार विश्वकर्मा ने बताया कि 24 नवम्बर की रात मेरी बेटी गांव में पड़ोस में आये बारात देखने गयी थी, लेकिन रात में लौटकर नहीं आयी।

जब दूसरे दिन सबेरे खोजने पर बेटी नहीं मिली तो मैंने थाना कोतवाली में बेटी के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी। रिपोर्ट 26 नवम्बर को लिखी गयी। पुलिस ने लड़की को खोजने में कोई तत्परता व रूचि नहीं दिखाई। 29 नवम्बर को बेटी की लाश गांव के बाहर मिली। लाश क्षत विक्षत थी तथा पेट का हिस्सा काटकर निकाला गया था। तब से लेकर आज तक पुलिस हत्यारों का पता नहीं लगा सकी और नहीं गिरफ्तारी कर सकी। पूर्व मंत्री ने मौके पर आये पुलिस अधिकारी से कार्यवाही की जानकारी लेनी चाही तो उनके पास कोई जवाब नहीं मिला। केवल आश्वासन दिया कि शीघ्र अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो जायेगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि अगर समय से पुलिस सक्रिय हो गयी होती तो लक्ष्मी विश्वकर्मा की हत्या नहीं होती। पुलिस की लापरवाही से हत्या हुई। अब हत्यारों की गिरफ्तारी में भी पुलिस लापरवाही बरत रही है। विश्वकर्मा ने कहा लक्ष्मी विश्वकर्मा के हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होना पुलिस की असफलता है। इससे सन्देह पैदा हो रहा है कि पुलिस हत्यारों को बचा रही है। उन्होंने कहा कि इस बारे में हम डीजीपी से मिलकर कार्यवाही कराने की मांग करेंगे। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव पूर्व अध्यक्ष विकास यादव, प्रदेश सचिव आरिफ सिद्दीकी, हृदयानंद प्रजापति सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी भी मौजूद थे। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिला अध्यक्ष शीतला प्रसाद विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव लालचंद विश्वकर्मा, सूबेदार विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, विश्वकर्मा ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष डॉ. पवन विश्वकर्मा, आशीष विश्वकर्मा सहित विश्वकर्मा ब्रिगेड के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

ब्लाक स्तरीय काशी सांसद सांस्कृतिक प्रतियोगिता का एमएलसी ने किया शुभारंभ

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के आराजी लाइन ब्लॉक के 16 न्याय पंचायत के प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम रोहनिया।आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के जगतपुर पीजी कॉलेज में शुक्रवार को खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव की देखरेख में आयोजित ब्लॉक स्तरीय काशी सांसद सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के सभी 16 न्याय पंचायत के प्रतिभागियों द्वारा इस काशी सांसद सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया।प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य सहित विभिन्न प्रकार के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्राचार्य ने पुष्प गुच्छ के साथ स्मृति चिन्ह देकर किया।इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य एवं अध्यापक ,अध्यापिकाएं सहित छात्र गण उपस्थित रहे।

सोनावा हाइवे पर कई वाहनों की आपस में एक के बाद एक की हुई जोरदार टक्कर

-वसीम अहमद

चांदा, सुलतानपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के स्थानीय चाँदा कोतवाली क्षेत्र के सोनावा गॉव में शुक्रवार की रात हाइवे चौराहे पर रांग साइड से आ रही पिकप वाहन से हाइवे पर जा रही स्कार्पियो वाहन की जबरदस्त टक्कर हो गयी। जिससे पीछे से आ रही कई गाड़िया आपस में टकराई। इस तरह कई वाहनों के टक्कर होने से काफी गाड़ीयां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये । आधा दर्जन वाहन की आपस में टक्कर होने से जाम लग गया। जिसमे कार सवार दो लोग घायल हो गये। जिन्हें मौके पर पहुची पुलिस की मदद से नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा भर्ती कराया गया। जिनकी पहचान केल्विन व ऋषभ पुत्रगण मेलविन निवासी ग्राम चितईपुर थाना चितईपुर जनपद वाराणसी के रूप में हुई। वही खबर मिलने पर मौके पर पहुँचे थाना चांदा प्रभारी रविन्द्र कुमार सिंह व कोइरीपुर चौकी इंचार्ज वेद प्रकाश शर्मा बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ पहुच कर क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाने में जुटे हुए थे।आपस में टक्कर होने से पिकप वाहन स्कार्पियो वाहन डी सी यम रोड़बेज बस ट्रक कार सहित आधा दर्जन से अधिक वाहन भिड़े है। वही एक बाइक सवार भी चपेट में आ गया परन्तु वह बाल बाल बच गया। जबकि बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी।

अस्पताल में 7 दिन बाद महिला की मौत, पटीदारों ने पीटा था

वाराणसी। सिंधोरा-गरथमा रोड पर चक्काजाम की सूचना पाकर मौके पर स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंच गई। घंटे भर से रोड जाम था। परिजनों को समझाने की कोशिश की गई लेकिन वे कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। खबर लिखे जाने तक मामला नहीं सुलझा था। अस्पताल में महिला की मौत के बाद परिजनों ने सिंधोरा-गरथमा रोड पर चक्काजाम कर दिया। शनिवार की शाम लगभग एक घंटे तक इस मार्ग पर आवागमन बाधित होने से राहगीरों को काफी मुश्किलें हुईं। खबर लिखे जाने तक पुलिस परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही थी।

दालमंडी से चौक तक सड़क होगी चौड़ी, अतिक्रमण पर चलेगा बुलडोजर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में दालमंडी से चौक जाने वाली सड़क पर जाम की समस्या को खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सड़क चौड़ीकरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। वर्तमान में यह सड़क कहीं चौड़ी तो कहीं संकरी है। जिससे यातायात बाधित होता है। सड़क की चौड़ाई एक समान होने से आवागमन सुगम होगा और स्थानीय निवासियों व व्यापारियों को राहत मिलेगी।

अवैध निर्माण और अतिक्रमण बना बाधा नगर निगम ने सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण पूरा कर लिया है। राजस्व विभाग द्वारा बंदोबस्ती नक्शे से मिलान कर यह तय किया जा रहा है कि सड़क को कितनी चौड़ाई तक विस्तारित किया जाएगा। इस योजना में सबसे बड़ी बाधा अवैध निर्माण और अतिक्रमण हैं, जिन्हें चिह्नित कर लिया गया है। जल्द ही इन अवैध निमार्णों को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। अवैध अतिक्रमण हटाने की तैयारी नगर निगम और जिला प्रशासन के बीच बैठक में निर्णय लिया गया है कि पुलिस प्रशासन की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। यहां के अधिकांश कारोबारी सड़क पर तिरपाल और अन्य सामग्री लगाकर अवैध रूप से जगह घेरे हुए हैं। नगर निगम की दुकानों और सरकारी जमीनों पर भी अवैध कब्जे हटाए जाएंगे। पहले चौड़ी थी दालमंडी की सड़क स्थानीय निवासियों के अनुसार, पहले दालमंडी में मिर्जा अच्छू कटरे तक ट्रक आसानी से आ जा सकते थे। लेकिन अब अतिक्रमण और अवैध निर्माण के कारण सड़क संकरी हो गई है। जिससे ट्रक व अन्य बड़े वाहन यहां नहीं पहुंच पाते।

सड़क चौड़ीकरण से होगा लाभ सड़क के चौड़ीकरण से दालमंडी और चौक के बीच यातायात सुचारु होगा। साथ ही, बाहरी व्यापारियों और पर्यटकों को भी सुविधा होगी। यह कार्य नगर निगम, राजस्व विभाग, वीडीए और पुलिस प्रशासन के सामंजस्य से पूरा किया जाएगा। यह कदम वाराणसी की यातायात व्यवस्था को सुधारने और शहर को व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

भारत में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी व पाकिस्तानी घुसपैठियों को देश से बाहर किया जाये : अर्जुन गुप्ता

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर भारत में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी रोहंगिया मुस्लमान व पाकिस्तानीयों को भारत से बाहर निकालने की मांग की है। भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता ने बताया कि ये लोग मुंबई जैसे बड़े शहरों में भारी संख्या में अवैध तरीके से रहते हैं किसी ने इनसे इनके बारे में पुछ लिया तो अपने आप को बंगाली बता देते हैं। उसी तरह इन लोगों ने ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में बंगाली बाबा बन कर लोगों को मुर्ख बना कर रह रहे हैं। इस विषय पर उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए की मांग अर्जुन गुप्ता ने की ।

बड़े बड़े शहरों में यह लोग घर घर जाकर मछली बेचने व इनकी महिलायें घर सफाई के काम सस्ते दामों में करती है। आटो रिक्शा, रिक्शा चालक भी भारी संख्या में यही लोग है। प्रधानमंत्री जी को राष्ट्रीय स्तर पर यह घोषणा कर देनी चाहिए कि इन लोगों को सहयोग करने वालों पर भी कडी कार्रवाई की जायेगी। भाजपा नेता अर्जुन गुप्ता के आनुसार यह लोग जिसका आटो चलाते हों उसके मालिक, जिस घर में भाडे से रहते हैं उनके मकान मालिक, व ग्रामीण क्षेत्रों में उस इलाके के थाने दार पर भी जिस इलाके में बंगलादेशी व अन्य अवैध रूप से रह रहे हैं कड़ी कार्रवाई करने की घोषणा कर दिया जाए।

पत्नी से झगड़े के बाद फंदे से लटककर युवक ने दी जान

चिलुआताल। झुंगिया बाजार में किराए के घर में रहने वाले पति ने पत्नी से झगड़े के बाद फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बेलघाट थाना क्षेत्र के गौरगंज निवासी मनोज (35) की शराब पीने की आदत की वजह से पत्नी पूजा से हर दिन झगड़ा होता था। परेशान होकर पूजा दो बच्चों के साथ गुलरिहा के झुंगिया स्थित मायके चली गई। गलती का अहसास होने पर मनोज भी वहां पहुंचा और झुंगियां कस्बे में ही किराए का कमरा लेकर पत्नी और बच्चों के साथ रहने लगा। दिन भर ऑटो चलाने के बाद रात में शराब पीकर आने लगा। बुधवार रात नशे में पत्नी और बच्चों को पीटने लगा।

कम्बल वितरण समारोह संम्पन्न

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। जौनपुर तरहटी ग्राम सभा के पत्रकार एड. अनिल नरेन्द्र उपाध्याय के निवास पर समाजसेवी भोलानाथ मिश्रा के द्वारा विगत वर्षो की भाति इस वर्ष भी कम्बल वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। गंगा देवी चैरिटेवल ट्रस्ट एवं मृदुला देवी चैरिटेवल ट्रस्ट के माध्यम से 14 दिसंबर को अनिल उपाध्याय के आवास पर तरहटी जौनपुर मे जरूरतमंद लोगो को कंबल वितरण का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल, महामंत्री भरत तिवारी, सुरेश पाण्डेय,फंटू मिश्रा,अरुण उपाध्याय, विनोद तिवारी,महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका अनिल उपाध्याय इंद्रदेव, मुन्ना भारतीया, छोटेलाल मौर्या, सुमित तिवारी, समेत काफी संख्या मे ग्रामीण उपस्थित रहे।

समाजसेवी रामकृपाल तिवारी के निधन से शोक की लहर

जौनपुर। बदलापुर तहसील अंतर्गत सियरावासी गांव निवासी समाजसेवी तथा ग्राम प्रधान अवधेश तिवारी के पिता राम कृपाल तिवारी की आज 78 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वे अपने पीछे तीन पुत्रों , तीन पुत्रियों ,पौत्र तथा पौत्रियों से भरापूरा परिवार छोड़ गए। 1995 में जब क्षेत्र के लोग शादी विवाह या अन्य कार्यक्रमों में कार्ड छपाने के लिए जौनपुर जाते थे,उस समय उन्होंने घनश्यामपुर में वाराणसी प्रिंटिंग प्रेस की शुरूआत की थी। वे अत्यंत सरल ,मृदु, व्यवहार कुशल तथा धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे । यही कारण है कि उनके निधन की खबर मिलते ही सैकड़ो लोग उनके घर पहुंच गए। देर रात वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर अंत्येष्टि की गई। इस अवसर पर उनके पुत्र अवधेश तिवारी तथा संतोष तिवारी के अलावा राजाराम तिवारी, भागवत तिवारी, अमरनाथ तिवारी, सदापति तिवारी, राम शिरोमणि तिवारी, रमाशंकर तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, राजकुमार तिवारी, रामकीर्तास तिवारी, केसरी प्रसाद तिवारी, राधेश्याम तिवारी, पौत्र जनार्दन तिवारी, धीरज तिवारी अंकित तिवारी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। रामकृपाल तिवारी के निधन पर कृष्णदेव, दुबे ,अनिल दुबे, पत्रकार सुभाष पांडे, पत्रकार प्रमोद पांडे, ग्राम प्रधान हरसू पाठक, सरपंच कैलाश नाथ पांडे, पिंटू पांडे, प्रवेश पांडे, श्रवण तिवारी, सुशील कुमार तिवारी, विनय तिवारी,अवधेश यादव, कृष्णमुरारी मिश्रा, सुरेश पांडे, सूर्य प्रकाश पांडे, बृजेश पांडे, सोनू तिवारी समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य के नाम ऐतिहासिक स्थल बनाने की मांग

दुद्धी, सोनभद्र। केंद्र व राज्य सरकार रौनियार समाज के लोगों के साथ बड़ी अनदेखी कर रही है रौनियार समाज को केंद्र सरकार सबसे पहले केंद्र में ओबीसी सूची में शामिल कर दर्जा दे, सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित हेमू के नाम सोनभद्र में एक ऐतिहासिक स्थल बने, जितनी हिस्सेदारी उतनी भागीदारी के तहत समाज के लोगों को चुनाव व अन्य पदों पर हक व अधिकार मिले उक्त बातें ऑल इंडिया रौनियार वैश्य समाज के संस्थापक अध्यक्ष डॉ के गुप्ता (रौनियार) ने दुद्धी में नंदलाल रौनियार के आवास पर हुई बैठक के दौरान कही। ऑल इंडिया रौनियार वैश्य समाज के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ ए के गुप्ता (रौनियार) ने कहा कि समाज के लोगों को जितना हक व अधिकार मिलना चाहिए उतना नहीं मिल रहा है केंद्र सरकार व राज्य सरकार रौनियार समाज के लोगों के साथ बड़ी अनदेखी कर रही है। केंद्र सरकार से बार-बार मांग किया जा रहा है कि रौनियार समाज को केंद्र में ओबीसी सूची में शामिल कर समाज के लोगों को ओबीसी का दर्जा दिया जाए बावजूद उसके केन्द्र सरकार एकदम मौन है। भारत के अंतरिम हिंदू सम्राट व दिल्ली के कुर्सी पर बैठे सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित हेमू जैसे योद्धा व सम्राट का नाम को विलुप्त कर दिया गया है। केंद्र व राज्य सरकार ऐसे महापुरुष सम्राट के नाम जनपद सोनभद्र में एक ऐतिहासिक स्थल बनाये जाने की समाज मांग करता है सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए इसके लिए समाज लोग अग्रसर व सक्रिय हैं। समाज के लोगों का जितना हक व अधिकार व आरक्षण मिलना चाहिए वह भी नहीं मिल रहा है जितनी हिस्सेदारी उतनी भागीदारी के तहत समाज के लोगों को हक व अधिकार मिलना चाहिए। प्रदेश में बड़े पैमाने पर रौनियार समाज के लोग की संख्या हैं, वोटर है उतना भी हक अधिकार नहीं मिल रहा है सिर्फ समाज के लोगों को गुमराह किया जा रहा है सिर्फ वोट देने के लिए समाज नहीं बना है समाज के लोगों का हक व अधिकार मिलना चाहिए। रामसहाई रौनियार उपाध्यक्ष ने कहा कि जनपद सोनभद्र में रौनियार समाज द्वारा अभियान चलाकर लोगों के बीच सक्रियता लाई जा रही है गांव-गांव में गठन किया जा रहा है सरकार द्वारा रौनियार समाज के लोगों की जा रही अनदेखी उत्पीड़न शोषण को लेकर समाज के लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है। सरकार प्रशासन को इसके लिए पहल करनी चाहिए।

विधायक स्नेहा दुबे का हुआ जोरदार स्वागत

वसई रोड। 35 वर्षों तक वसई तालुका में सत्ता का आनंद लेने वाली बहुजन विकास अगाड़ी को श्रीकांत देने वाली वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित को वसई (पश्चिम) में भाजपा शास्त्रीनगर कार्यालय में सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया गया। अभिनंदन समारोह में विशालनगर, शास्त्रीनगर, ओमनगर और वसई स्टेशन के नागरिक शामिल हुए। जननेता कार्यक्रम का शुभारंभ गोपीनाथ मुंडे की छवि पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर वसई तालुका के विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से स्नेहा दुबे का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल शाखा के संयोजक उत्तम कुमार द्वारा किया गया था। भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, डॉ. अलमास खान, भाजपा जिला महासचिव अभय कक्कड़, पूर्व भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष बिजेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। स्नेहा दुबे ने इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा वसईकर की सेवा करने का अवसर देने के लिए आप सभी को धन्यवाद देती हूं। आपका प्यार और मुझ पर विश्वास मेरी ताकत है और आपका समर्थन मेरे साथ बना रहेगा।

महेंद्र पाटिल ने कहा, मैंने वसई में उत्तम कुमार का काम देखा है. वह हमेशा गरीब नागरिकों की मदद करने का इरादा रखते हैं। स्नेहा दुबे की जीत उनकी कड़ी मेहनत के कारण हुई है। वसई विरार जिला व्यापारी संघ के माध्यम से कच्छी कड़वा पटेल समाज के रमणीक भाई और वीरेंद्र भाई, केरल विश्वकर्मा संघ के विनोद कुमार, रणगांव ग्राम पंचायत सोसायटी से अमर मेहर, नायर कल्याण संघ, वसई के महासचिव ओ. सी. राजकुमार, वसई स्टेशन पर भाजपा जिला महिला मोर्चा की जिला महासचिव कुमारी मोहन, वसई स्टेशन पर हमाल वर्ग के विजय राय और हमाल वर्ग के सभी लोगों आदि ने स्नेहा दुबे पंडित को शॉल, गुलदस्ता और उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में युवा मोर्चा तालुका संगठक सिद्धेश तावड़े, अशोक यादव, शेमल अजगिया, उदय शेट्टी, बाला सावंत, संध्या सिंह,सुरेश प्रजापती, श्रीकुमारी मोहन, महेंद्र सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन माझी शहर अध्यक्ष रामानुजन ने किया।

बढ़ती आबादी में डी फार्मा व बी फार्मा भी मरीजों का इलाज करने में सक्षम : रविंद्र जायसवाल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी - प्रयागराज हाईवे मार्ग पर स्थित फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त आरएस फामेर्सी कॉलेज खजुरी, राजातालाब का शुभारंभ शनिवार को स्टांप व न्यायालय शुल्क तथा पंजीयन विभाग के राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल (स्वतंत्र प्रभार) ने शीलापट्ट का अनावरण के साथ दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे आबादी बढ़ेगी तो बीमारी बढ़ेगी, उसी अनुपात में दवाई बनाने की आवश्यकता पड़ेगी, उसमें डी फार्मा व बी फार्मा वालों की आवश्यकता पड़ेगी। उन्होंने कहा कि कॉलेज में डी फार्मा की फीस मात्र 45000 प्रति वर्ष रखी गई है जबकि बी फार्मा की फीस 63300 प्रतिभा रखी गई है जो किसी में सरकारी कॉलेज की फीस के बराबर है। कालेज में एसी स्मार्ट लैब रूम, एसी ट्रांसपोर्ट 13 से अधिक लैब उपलब्ध है। इस कार्य के लिए उनके पास 2 वर्ष की डिग्री होनी चाहिए। यह बच्चे दवाइयां भी बना सकेंगे और अस्पताल भी खोल सकते हैं। जितना महत्व डॉक्टर का है, उतना ही अस्पताल का है, इसलिए को- फामेर्सी काउंसिल बनाया गया है ताकि गुणवत्ता की जांच की जा सके। उन्होंने बताया कि 100 वर्ष पूर्व हमारे भारत में प्लेग और टीवी दवा नहीं थी किंतु करोना काल में फामेर्सी ने दवा बनाई, जिसके कारण भारत में मृत्यु दर सबसे कम रही, अमेरिका सहित अन्य की मदद भारत ने की, यह कार्य फामेर्सी के वैज्ञानिक विद्यार्थी व व्यवसाययों ने की। श्री जायसवाल ने बताया कि धीरेंद्र महिला महाविद्यालय में फामेर्सी के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी इसलिए यहां खोलना पड़ा, जिसमें किसानों का भरपूर सहयोग मिला, उनका मैं आभारी हूं। हर वर्ष यहां से 130 योग्य विद्यार्थी निकलेगा। आरएस फार्मा कॉलेज के अध्यक्ष आयुष जायसवाल ने बताया कि हमारे यहां सरकारी दर पर उच्च शिक्षा मिलेगी प्रवेश प्रारंभ हो गया है। कॉलेज की वाइस चेयरमैन श्रीमती अंजू जायसवाल ने शुभकामना दी। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत कॉलेज की निदेशक श्रीमती अक्षता जायसवाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुनीता पांडेय, रविंद्र प्रजापति तथा आभार प्रकाश अंकित सिंह ने किया।